समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई-जून २०१६ • वर्ष ६७ • अंक ५-६

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२४वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन एवं ८०वाँ वर्षगाँठ समारोह

सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं ८०वें वर्षगाँठ समारोह के उद्घाटन सत्र का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ करते पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी; परिलक्षित हैं (बायें से दायें) सर्वश्री रवि अग्रवाल, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला, सीताराम शर्मा, सांसद विवेक गुप्त, राज्यपाल महोदय एवं बिजय डोकानियाँ।

इस अंक में :

- २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन का नारा : "संगठित समाज, सशक्त आवाज"
- मारवाड़ी समाज ने सभी क्षेत्रों में बनाया उल्लेखनीय स्थान – राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी
- वैवाहिक समारोहों में मद्यपान के बढ़ते प्रचलन पर सम्मेलन द्वारा चिंता
- मारवाड़ी होने का मतलब : व्यापार-कुशलता, मेहनत और ईमानदारी

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल तुलस्यान नहीं रहे!

सुप्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति, प्रखर वक्ता, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष (२००१-२००६) श्री मोहलाल तुलस्यान का २५ मई २०१६ को वैकुण्ठवास हो गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

[शोक सभा – पृष्ठ २४]

[३ अगस्त १९३५ - २५ मई २०१६]

BRANDS UNDER FRONTLINE | EXPANDO | HUNK | xiNG | AIR | Sky | Interlock VEST | RIB | Kidz

www.rupa.co.in | follow 'rupaknitwear' on

SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No.: 1800 1235 001 | Shop online 24x7: www.rupaonlinestore.com

For RUPA Exclusive Store Franchisee enquires
Call: 98747 98890 or email - srmgr.ebo@rupa.co.in

For Trade Enquiries Contact: Mr. Adhir Goswami,
M: 83340 78000 or email - adhir@rupa.co.in

We are also available at: amazon | flipkart | paytm | ebay | SHOPCLUES

Please check for this sticker on your Frontline product. This is a security hologram with an in-built QR Code.

समाज विकास

◆ मई-जून २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक ५-६

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** नई टीम, नया कार्यालय, नई सोच, नई ऊर्जा	३
• **चिट्ठी आई है**	४-५
• **कविता : युगल किशोर चौधरी** मानवता है धर्म हमारा	६
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** अभिभाषण	७
• **राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति**	८
• **केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार**	११-२४
• **लेख : राजेन्द्र केडिया** मारवाड़ी होने का मतलब	२५
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** वैचारिक परिवर्तन का महत्व	२९
• **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत**	३०-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

फोन : ०३३-२२६८ ०३१९

◆ email: aimf1935@gmail.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

नई टीम, नया कार्यालय, नई सोच, नई ऊर्जा

– सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने ८० वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पूर्ण की है। इस सत्र में नये अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला के नेतृत्व में नई टीम का गठन हुआ है, सभी का स्वागत, अभिनंदन व हार्दिक बधाई! पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव में समाज के नवनिर्वाचित विधायकों व नये राज्यसभा सांसदों को भी हार्दिक बधाई।

सम्मेलन के इतिहास के पन्नों को पलटा जाय तो ज्ञात होता है कि मारवाड़ी समाज हमेशा जागरूक रहा है व सम्मेलन के प्रति उसका उत्साह देखते ही बनता है। महानगरों, राज्यों व जिलों में मारवाड़ी समाज के लोगों का लगाव सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में बढ़ा है। समाज में एकता व संगठन में बढ़ोतरी से शुभ संकेत मिल रहे हैं। समाज सुधार व राजनीतिक चेतना के साथ-साथ सम्मेलन को नई ऊँचाईयों को भी छूना है। राजनीति में समाज के लोगों को उत्साह दिखाकर सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। जरूरी नहीं है कि किसी राजनैतिक पार्टी से सम्बन्ध रखे परन्तु एक मतदाता की हैसियत से अपने मताधिकार का सदुपयोग करना चाहिए।

अब सम्मेलन अपने नये आधुनिक कार्यालय के सचिवालय से नई टीम व नई ऊर्जा के साथ कमर कस कर तैयार है। आशा है कि नया सत्र नई-नई योजनाओं व कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर आप सभी के सहयोग से सम्मेलन नई ऊँचाईयों तक पहुँचने में सक्षम होगा व समाज सुधार के नये दौर का भी श्रीगणेश होगा।

समय की माँग है कि अर्थ के घेरे से बाहर निकलकर मारवाड़ी समाज शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, विज्ञान, राजनैतिक व समाज सुधार कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। पिछले कुछ वर्षों में हजारों की संख्या में मारवाड़ी समाज के डॉक्टर, सोलिसिटर, वकील, जज, इंजीनियर, चित्रकार, कलाकार, पत्रकार, सी.ए., एम.बी.ए., आई.आर.एस., आई.ए.एस. व आई.पी.एस. उभर कर आये हैं, यह सभी समाज की धरोहर हैं। इससे साबित होता है कि समाज में अनगिनत प्रतिभायें हैं। जरुरत है उन्हें पहचानने व समाज के उत्थान में उन्हें जोड़कर उनसे सहयोग लेने की।

समाज उत्थान हेतु एक मारवाड़ी दूसरे मारवाड़ी को सामाजिक, राजनैतिक, रोजगार व व्यावसायिक सहयोग का रसास्वादन कराये तो शनैः-शनैः भाईचारा प्रगाढ़ होगा व समाज में चेतना का तीव्र गति से संचार होगा। सर्वप्रथम अपने-अपने परिवार के युवा वर्ग को सम्मेलन की विचारधारा से अवगत कराना होगा तत्पश्चात् उन्हें सक्रिय करना होगा। युवा वर्ग भविष्य में सम्मेलन के उत्थान में महत्वपूर्ण सहायक बन सकते हैं। वर्तमान समय में हमें संगठित होकर अपनी अलग पहचान बनाना जरुरी है क्योंकि एकजूटता ही हमारा बल है व समरसता समय की माँग है। समाज व राष्ट्र के उत्थान हेतु व अपनी पहचान बनाने के लिए हमें सजग रहना पड़ेगा। अत्याधुनिक समय तेजी से भाग रहा है। समाज को भी अपने कदमों में तेजी लानी होगी। तभी हम अपने लक्ष्य को जल्दी प्राप्त कर पायेंगे। ★★★

मेरा सम्पादक के नाम पत्र

– **सीताराम शर्मा**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
एवं पूर्व सम्पादक, समाज विकास

प्रिय संतोष जी,

सम्मेलन के स्तम्भ पूर्व अध्यक्ष नन्दकिशोर जालान वर्षों तक मारवाड़ी सम्मेलन के पर्याय रहे। जितना जुड़ाव उनका सम्मेलन के साथ था, उतना ही समाज विकास के साथ। वे 'समाज विकास' को सम्मेलन की आवाज नहीं, आत्मा मानते थे। उनकी मृत्यु (९ जून २०११) के ६ महीने पहले तक सम्पादक का दायित्व संभाला। हालाँकि उसके गत कई वर्षों पूर्व, लगभग २००४-२००५ से ही मुझ पर सम्पादक का दायित्व संभालने के लिये जोर देते रहे। उन पर सचमुच कार्य का दबाव था, अतः वर्षों तक शंभु चौधरी को सहयोगी सम्पादक का दायित्व दिया गया।

मुझे स्मरण है कि शौच-स्नान आदि से निवृत होकर जालान जी रोज अपने मकान के ग्राउण्ड-फ्लोर पर स्थित कार्यालयनुमा कमरे मे आकर बैठते थे और सम्मेलन का पत्राचार तथा समाज विकास के सम्पादन का कार्य निपटाते थे। यह सिलसिला वर्षों तक चला। शारीरिक अस्वस्थता के चलते बाद में वे दूसरे तल्ले में अपने शयनकक्ष के सामने के आंगन में बैठा करते थे। इन्हीं कमरे एवं आंगन में वर्षों तक सम्मेलन का इतिहास रचा जाता रहा है।

फरवरी २०११ से मैंने समाज विकास के सम्पादक का दायित्व इस शर्त पर स्वीकार किया कि जालान जी नाम 'प्रेरक सम्पादक' के रूप में प्रकाशित होता रहेगा। 'समाज विकास' से जालान जी के नाम का जुड़ाव ऐसा था कि मैं उनके नाम की अनुपस्थिति को स्वीकार करने में असमर्थ था।

चूँकि युवावस्था में ही पत्रकारिता से जुड़ने के कारण मैं १९ वर्ष की आयु में ही एक हिन्दी मासिक पत्रिका का उप-सम्पादक एवं कुछ वर्षों बाद एक अंग्रेजी साप्ताहिक का सम्पादक। हालाँकि सम्पादन अपने आप में एक बहुत दायित्व का काम है लेकिन एक समाज की प्रतिनिधि संस्था के मुखपत्र का सम्पादन और भी अधिक कठिन और बड़े दायित्व का कार्य है। मैं अपने पूर्व अनुभव के आधार पर सम्पादन से अपरिचित नहीं था, लेकिन 'समाज विकास' के सम्पादन ने मुझे कई नयी चुनौतियाँ एवं नये अनुभव दिये। साथ-साथ एक बहुत बड़ा आत्म-संतोष। मुझे सदैव इस बात का अहसास रहता था कि मैं समाज विकास के माध्यम से समाज से सीधी बात कर रहा हूँ, प्रशंसा एवं आलोचना दोनों में संयम बरतना है, क्या कहना है, क्या नहीं कहना है, कहाँ कलम चलानी है और कहाँ कैंची।

समाज विकास के माध्यम से सम्मेलन समाज के साथ सीधा संवाद करता है और यह 'डायलाग' सम्मेलन को एक दिशा-निर्देश देता है। सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम और उद्देश्य है – वैचारिक परिवर्तन के माध्यम से समाज सुधार। वैचारिक परिवर्तन केवल विचारों के आदान-प्रदान से ही संभव है और 'समाज विकास' सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली मंच है। मुझे समाज विकास से गत ५ वर्षों से अधिक जुड़े रहने का अवसर प्राप्त हुआ यह मेरे लिये सौभाग्य एवं गर्व की बात है। कितना सफल रहा, क्या कमियाँ रहीं - यह आत्मचिंतन का विषय है।

मैने समाज विकास के प्रधान सम्पादक पद से त्यागपत्र दे दिया है अतएव इस अंक से आप इस दायित्व को संभाल रहे हैं। मेरी ढ़ेर-सी बधाई एवं शुभकामनाएँ!

श्रद्धांजलि

समर्पित साहित्यसेवी, वरिष्ठ राजनेता, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राजनैतिक चेतना, राजस्थान सम्पर्क, राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान एवं साहित्यिक सम्मान उपसमितियों के माननीय सदस्य **श्री जुगल किशोर जैथलिया** का गत १ जून २०१६ को निधन हो गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक श्रद्धांजलि।

राजस्थानी भाषा-साहित्य के मूर्धन्य विद्वान, प्रसिद्ध लेखक-आलोचक **डॉ. किरणचन्द नाहटा** का स्वर्गवास ३ मई २०१६ को हो गया। बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. नाहटा को गत ९ अप्रैल २०१६ को सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' से नवाजा गया था।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

शिवसागर (असम) शाखा के मंत्री श्री विजय कुमार चिन्नावत ने सूचना दी है कि श्री गोपाल झूरिया (सुपुत्र स्व. चिमनराम झूरिया) का ८ मई २०१६ को; धर्मपरायणा शांती देवी खंडेलिया (धर्मपत्नी स्व. बनवारीलाल खंडेलिया) का ३ अप्रैल २०१६ को; धर्मपरायणा सुमित्रा देवी जोशी (धर्मपत्नी स्व. दामोदर प्रसाद जोशी) का १ अप्रैल २०१६ को; धर्मपरायणा बासु देवी अग्रवाल (गोयल) (धर्मपत्नी स्व. टोरमल अग्रवाल (गोयल)) का २५ मार्च २०१६ को; श्री बजरंगलाल शर्मा का ५ फरवरी २०१६ को एवं श्री राजकुमार गोयल (सुपुत्र स्व. मेघराज गोयल) का १ जनवरी २०१६ को स्वर्गवास हो गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

चिट्ठी आई है

समाज सुधार निरंतर प्रक्रिया

'समाज विकास' का अधिवेशन विशेषांक काफी विलम्ब से प्राप्त हुआ। इसके सम्पादकीय में माननीय श्री सीताराम शर्मा ने मारवाड़ी समाज की खूबियों और खामियों पर विस्तार से प्रकाश डाला है। इस समाज में जहाँ बहुत-सी खूबियाँ हैं, वहीं कई प्रकार की खामियाँ भी हैं। सम्मेलन हमें इनसे परिचित कराते हुए आदर्श समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है और यही इसकी प्रासंगिकता है। हमें समाज में व्याप्त बुराइयों से निराश होने की जरूरत नहीं है बल्कि उनके खिलाफ निरन्तर वैचारिक मशाल जलाते रहने की आवश्यकता है क्योंकि समाज-सुधार एक निरन्तर प्रक्रिया है और इस संदर्भ में सम्मेलन का कोई विकल्प नहीं है। बुराइयों पर लगातार चोट करते रहने से वे एक दिन जरूर समाप्त होंगी। इस अंक में प्रकाशित श्री शिवकुमार लोहिया, श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला एवं श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के आलेख सुन्दर और सराहनीय हैं। श्री केसरीकान्त शर्मा, श्री हरिप्रसाद कानोडिया और डॉ. संजय कुमार यादव की कवितायें भावपूर्ण, सुन्दर और सरस हैं। सम्मेलन नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला के नेतृत्व में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें, यही हार्दिक अभिलाषा है।

– **युगल किशोर चौधरी**, चनपटिया, प. चम्पारण (बिहार)

चिट्ठी आई है

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला को बधाई

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा **श्रीमती मीना गुप्ता** (पटना), राष्ट्रीय उपाध्यक्षा **श्रीमती शोभा गुप्ता** (पटना); वरिष्ठ साहित्यकार **श्री करतार योगी 'गोरीर'**, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (उत्तर बिहार) **श्री राजीव कुमार केजरीवाल** एवं श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, मधुपुर (पश्चिम बंग) के अध्यक्ष **श्री पी.एल. गुटगुटिया** ने श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामना संदेश भेजे हैं।

श्री अगरवाला ने इन सबका आभार व्यक्त किया है।

विशेष था यह अंक!

'समाज विकास' का संयुक्तांक फरवरी - अप्रैल २०१६ प्राप्त हुआ। यह अंक अपने आप में अनेक विशेषताएँ लिए हुए है। मुखपृष्ठ ही बोल रहा है कि पचपन वर्षों के बाद कोलकाता में अधिवेशन हुआ। यह अंक अधिवेशन विशेषांक के साथ-साथ सम्मेलन का अस्सीवाँ वर्षगाँठ समारोह मनाए जाने का भी साक्षी हुआ। सुंदर मुखपृष्ठ, अच्छे कागज का प्रयोग, सुंदर छपाई, उचित पृष्ठ संख्या तथा आकर्षक गेट-अप तथा राष्ट्रीय अधिवेशन के कारण वैसी ही प्रतिवेदनात्मक सामग्री इस अंक में होना इस अंक की विशेषता है। सम्मेलन के अतीत की झलकियों की चित्रावली का इस अंक में होना इसकी महत्ता को बढ़ाने वाला है। श्री सीतारामजी शर्मा का संपादकीय तो 'समाज विकास' के प्रत्येक अंक में मार्मिक एवं मार्गदर्शक होता ही है। इस अंक में आपने 'समाज की विशेषताओं और खूबियों में कमी आ रही है' ऐसा लिखकर समाज को अपनी खासियत बनाए रखने की ओर संकेत किया है। अगर समाज को आगे बढ़ना है तो अपनी विशेषताएँ बरकरार रखनी ही चाहिए हमारे लिए अपने चरित्र और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने पर ध्यान देना आवश्यक है। आने वाली पीढ़ी का गौरव तभी बढ़ेगा और सभ्य समाज में सम्मान प्राप्त होगा। राष्ट्र की उन्नति राष्ट्र के प्रत्येक समाज की उन्नति में ही निहित है। नियमित रूप से 'समाज विकास' पत्रिका भेजते रहने के लिए धन्यवाद!

– **डॉ. शंकर लाल स्वामी**, बीकानेर (राजस्थान)

समाचार-सार

शाबाश प्रगति!

सम्मेलन के भवानीपटना (उत्कल) शाखा के सचिव श्री रमेश कुमार अग्रवाल की सुपुत्री **सुश्री प्रगति बंसल** ने बारहवीं विज्ञान की परीक्षा में रायपुर (छत्तीसगढ़) क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया है। केन्द्रीय विद्यालय, कालाहांडी की छात्रा प्रगति ने कुल ९५.८ प्रतिशत और भौतिक विज्ञान में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार प्रगति के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है!

रामअवतार पोद्दार को सफल कार्यकाल हेतु बधाई

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी**, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला**, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष **श्री राज कुमार केडिया** एवं वरिष्ठ साहित्यकार **श्री करतार योगी 'गोरीर'** ने निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार को उनके सफल कार्यकाल (२०१३-२०१६) एवं २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के सुनियोजन हेतु बधाई-संदेश भेजे हैं।

श्री पोद्दार ने इन सबका आभार व्यक्त किया है।

सफल अंक

फरवरी-अप्रैल २०१६ का अंक प्राप्त हुआ। यह अंक बहुत ही आकर्षक व इसमें दी गई सामग्री मारवाड़ी समाज की बुलंदियो को प्रकट करती है। इस अंक का मुखावरण पृष्ठ मारवाड़ी समाज के पदाधिकारियों के चित्र एवं ५५ वर्ष पहले कोलकाता अधिवेशन के मंच का चित्र भी बहुत ही आकर्षक व रुचिकर लगा। इस अंक की साहित्यिक सामग्री केसरी कांत शर्मा केसरी के हाईकु व दोहे पठनीय व प्रेरणादायी रहे। दोहे तो वास्तव में वर्तमान स्थिति पर सटीक ठुकते है। श्री सीताराम शर्मा ने अपने सम्पादकीय में मारवाड़ी सम्मेलन की ८० वर्षीय यात्रा का वर्णन जिस सुन्दर ढंग से किया है इससे प्रतीत होता है कि हम इसे पढ़ते-पढ़ते ८० वर्षों के काल को कुछ ही समय में समझ सकते हैं। इस सम्पादकीय में मारवाड़ी समाज के लोगों द्वारा की गई मेहनत व आगे बढ़ने के प्रयास सार्थक हुए। पूर्वोत्तर भारत में मारवाड़ी समाज ने अपने विकास का जो परचम लहराया, पीढ़ियाँ याद रखेंगी।

भंवरलाल महरिया भंवरो के राजस्थानी दोहे मन को छूनेवाले व प्रेरणादायी है। जिन साहित्यिक पुरुषों को साहित्यिक सम्मान से पुरस्कृत किया गया उनका जीवन-परिचय, साहित्यिक अवदान पढ़ कर उनका योगदान स्मरण हो जाता है। इसके अलावा अन्य रिपोर्ट भी पठनीय व उपयोगी है। सम्पादक महोदय की टीम को समाज विकास के इस अंक की सफलता के लिए बधाई व शुभकामनाएँ।

– **रामजी लाल घोड़ेला 'भारती'**, बीकानेर (राजस्थान)

समाचार-सार

शाबाश श्वेता!

अपने माता-पिता के साथ श्वेता।

रविन्द्रनगर (जिला - हुगली, प. बंग) निवासी श्रीमती प्रेमा एवं श्री संतोष अग्रवाल की सुपुत्री **सुश्री श्वेता अग्रवाल** सत्र २०१५-१६ में संघ लोक सेवा आयोग (यू. पी. एस. सी.) की प्रतियोगिता परीक्षा में १९वाँ स्थान प्राप्त कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस) में चुनी गयी हैं।

राजस्थान के नीम का थाना जिले से सम्बन्धित प्रवासी परिवार की श्वेता बचपन से ही प्रखरबुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। २०१३-१४ में आइ.आर.एस. एवं २०१४-१५ में आई.पी.एस. कैडर में उनका चयन हुआ था, पर अपने धुन की पक्की श्वेता ने आई.ए.एस. में सफलता हासिल करने की ठान ली थी और अन्ततः उनकी मेहनत रंग लायी।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार श्वेता की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है!

नयी पहल

सम्मेलन की रोजगार सहायता उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने मारवाड़ी युवक-युवतियों के रोजगार प्राप्ति में सहयोग हेतु एक नई उपसमिति का गठन किया है।

यह उपसमिति रोजगार हेतु इच्छुक युवक-युवतियों के बायोडाटा का एक कोश बनायेगी और उन्हें उपयुक्त रोजगारदाताओं के पास भेजेगी। यह कार्य ई-मेल के माध्यम से किया जायेगा और यह सेवा निःशुल्क होगी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दिनेश कुमार जैन इस उपसमिति के चेयरमैन मनोनीत किये गये हैं। रोजगार के इच्छुक मारवाड़ी युवक-युवतियाँ अपना बायोडाटा, ईमेल **aimf.hr@gmail.com** पर भेज सकते हैं। इस विषय में किसी जानकारी हेतु इसी ईमेल से या सुश्री सिद्धि जैन **(033 3058 8453)** से संपर्क किया जा सकता है।

सम्मेलन की वैवाहिक परिचय उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने विवाह योग्य मारवाड़ी युवक-युवतियों की सहायता हेतु एक वैवाहिक परिचय उपसमिति का गठन किया है।

यह उपसमिति विवाहयोग्य मारवाड़ी युवक-युवतियों के बायोडाटा संग्रहित करेगी और उन्हें उपयुक्त पात्र-पात्राओं को भेजेगी। इस प्रक्रिया में गोपनीयता बरती जायेगी।

सम्मेलन द्वारा प्राप्त बायोडाटा में दिये गये जानकारियों के लिए सम्मेलन जिम्मेवार नहीं होगा और उसकी भूमिका बायोडाटा संग्रहित करने, उनका आदान-प्रदान और संभवतः व्यक्तिगत मध्यस्थता तक सीमित रहेगी।

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य, युवा समाजसेवी श्री ऋषि बागड़ी को इस उपसमिति का चेयरमैन मनोनीत किया गया है।

विवाह हेतु इच्छुक मारवाड़ी युवक-युवतियाँ अपना बायोडाटा ईमेल **aimf.matrimonial @gmail.com** पर भेज सकते हैं। सलाह देने या किसी स्पष्टीकरण हेतु इसी ईमेल से या श्री ऋषि बागड़ी **(+91-98300 65670)** से संपर्क किया जा सकता है।

कविता

मानवता है धर्म हमारा

– **युगल किशोर चौधरी**
चनपटिया, प. चम्पारण, बिहार

मूल रूप में हम हैं मानव, मानवता है धर्म हमारा।
परम पिता की हम संतानें, आपस में हैं भाई-भाई।
एक लहू सबके रग-रग में, क्योंकर नफरत और लड़ाई?
कदम मिलाकर चलें हम सभी, सारा जग परिवार हमारा।
धर्म वही जो जोड़े सबको, हँसकर सबको गले लगाये।
दर्द पराया समझे अपना, मानवता के पुष्प खिलाये।।
हो विकसित नव समता-ममता, बहे शांति की शीतल धारा।
सूरज दादा एक सभी के, हरते हैं सबका अँधियारा।
चंदा मामा हँसकर सब पर, बरसाते अमृत की धारा।।
एक हवा दुलराती सबको, बनता जिससे जीवन प्यारा।
परहित में रत रहें सदा हम, जीव-मात्र की करें भलाई।
एक ज्योति को देखें सबमें, छिटका दें नूतन अरुणाई।।
हो प्रभात धरती पर नूतन, टूटे जग से जड़ता कारा।
मूल रूप में हम हैं मानव, मानवता है धर्म हमारा।। ★★★

अध्यक्षीय

कोलकाता में आयोजित २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला का अभिभाषण

महामहिम आदरणीय श्री केशरीनाथ जी त्रिपाठी – राज्यपाल, पश्चिम बंगाल, यशस्वी सम्पादक एवं सांसद श्री विवेक गुप्ताजी, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार जी पोद्दार, सम्मेलन के सम्मानित पूर्व अध्यक्षगण, प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधिगण, सदस्यों, कार्यकर्ताओ, मित्रों, मातृशक्ति, सज्जनों एवं युवा दोस्तों,

माँ काली की पावन धरा स्थित, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन में आप सबका हार्दिक स्वागत व अभिनंदन करता हूँ। साथ ही, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उनके सहयोग एवं समर्थन के लिये धन्यवाद देता हूँ!

यह हमारे एवं हमारे सम्पूर्ण समाज के लिये अति हर्ष एवं गौरव का विषय है कि महामहिम राज्यपाल जी आज अधिवेशन के उद्घाटन हेतु हमारे बीच पधारे हैं। सरस्वतीपुत्र, मूर्धन्य साहित्यकार, वरिष्ठ कविवर आदरणीय त्रिपाठी जी ने अल्पकाल ही में पश्चिम बंगाल में जहाँ सरस्वती की पूजा होती है, अपनी विद्वता से सभी बंगवासियों का सम्मान एवं दिल जीत लिया है, हम हिन्दी भाषाभाषियों को तो इनका असीम प्यार एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। आपका हार्दिक स्वागत!

१९६१ के दिसम्बर में जब सम्मेलन का रजत जयन्ती महाधिवेशन कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क में हुआ था, उसका उद्घाटन पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. विधानचन्द्र राय ने किया था। आज जब पुनः ५५ साल बाद कोलकाता में सम्मेलन का अधिवेशन हो रहा है तो मैं विधान बाबू की इस बात को दोहराना चाहता हूँ जो उन्होंने बतौर उद्घाटनकर्ता वहाँ कही थी। उन्होंने कहा था कि "इस समाज में दो महान गुण हैं – प्रथमतः यह समाज देश के सभी समाजों से साहसी है और दूसरे यह बहुत दयालु है। जहाँ भी कोई संकट आता है, वहीं मारवाड़ी सहायता के लिए दौड़ पड़ता है।"

२०१० में जब सम्मेलन के कौस्तुभ जयन्ती समारोह में देश की तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल कोलकाता में आयोजित समारोह में पधारी थीं, तब उन्होंने भी हमारे समाज की प्रशंसा करते हुए कहा था कि यह समाज "दूध में शक्कर के समान है, जो जल्द ही जहाँ भी जाता है, वहीं घुल-मिल जाता है।"

हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी मारवाड़ियों का बहुमुखी योगदान रहा है। महात्मा गांधी ने अपने लेखों में घनश्याम दास बिड़ला और जमनालाल बजाज द्वारा स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके आर्थिक योगदान की सराहना की है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय अनेक मारवाड़ी युवकों ने क्रांतिकारियों की मदद की थी जिसका विवरण इतिहास में मिलता है। अरविंद घोष, शरतचंद्र बोस, अतुल नाथ तथा अवध बिहारी आदि को मारवाड़ियों से आवश्यक सहायता मिलती थी। मारवाड़ी महिलाएँ भी पीछे नहीं रहीं। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कुसुम गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अतिरिक्त जानकी देवी बजाज, इंदुमती गोयनका, कमला देवी तथा सरस्वती गोड़ोदिया जैसे अनेक नाम है।

देश के कोने-कोने में गौशालाओं, धर्मशालाओं, अस्पतालों, शिक्षण-संस्थानों के निर्माण में मारवाड़ी समाज ने सदैव अग्रणी एवं सक्रिय योगदान दिया है।

मारवाड़ियों को ९ गुण विरासत में मिले हैं – 1. Non Voilence - अहिंसा, 2. Tolerance - सहनशीलता, 3. Honesty - ईमानदारी, 4. Pure Veg Food - सात्विक आहार, 5. Family Bonding - पारिवारिक बंधन, 6. Helping & Donating - सहयोग व दानशीलता, 7. Faith in God - ईश्वर पर विश्वास, 8. Enterprising - कर्मयोगी, 9. Nationalism - राष्ट्र प्रेम। इन्हीं पारंपरिक गुणों के सम्बल पर समाज आगे बढ़ा है और इन्हीं खूबियों को बचाकर रखना है। इस हेतु सम्मेलन को सदैव सचेष्ट रहना होगा।

हमारा नारा ही है - राष्ट्री री प्रगति - मारवाड़ी समाज संपूर्ण राष्ट्र की उन्नति, प्रगति एवं विकास का हामी है एवं हमें पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ बिना जाति, धर्म एवं राज्य की सीमाओं के, अपनी राष्ट्र निर्माण की भूमिका निभानी है। मारवाड़ी समाज देश व विदेश के कोने-कोने में फैला हुआ है। यह समाज शांति, राष्ट्र की प्रगति एवं एकता में विश्वास रखता है।

समाज में बहुत सी कमियाँ भी हैं और बहुत सी खामियाँ भी है। उनसे हमें बचना है, उनको सुधारना हैं और एक खुशहाल समाज की रचना करनी है। बदलती सामाजिक परिस्थितियों का ध्यान सदैव रखना है। आज टूटते वैवाहिक संबंध, नशे की बढ़ती प्रवृति, फिजूलखर्ची और राजनैतिक सक्रियता एवं चेतना की कमी जैसी समस्याएँ हमारे समाज के समक्ष चुनौती हैं।

लेकिन जब तक हम समग्र समाज को एक सूत्र में पिरोकर नहीं ला पायेंगे, हमें पूर्ण सफलता नहीं मिलेगी। संगठन ही शक्ति है। इसके लिए हमें लोगों के दिलों में जगह बनानी होगी। जिस तरह सोना नरम होकर जेवर बन जाता है, ठीक इसी तरह अगर हम भी नम्र होकर समाज के लोगों तक पहुँचे तो उनके दिलों में जगह बना लेंगे।

यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सम्मेलनरूपी वटवृक्ष मिला है, जिसके तले एकजुट होकर हम अपने कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को नई दिशा दे सकते हैं। जिस तरह हमारे बुजुर्गों ने हमारे लिए मानकों को तय किया, ८० वर्ष पहले अपनी दूरदृष्टि का परिचय देते हुए आने वाले समय में सम्मेलन की प्रासंगिकता को समझा और तदनुरूप इसका गठन कर सुचारू रूप से संचालन किया, उसी तरह हमें भी बदलते समय के अनुसार ऐसे कार्यों को अंजाम देना होगा जो कि भावी पीढ़ी के लिये वर्षों तक कारगर हों। समय बहुत तेजी से बदल रहा है, इसलिए सम्मेलन के कार्यक्रमों एवं प्राथमिकताओं में भी समय के साथ तेजी से बदलाव लाना होगा।

Knowledge is Power - यह बात हमारी नई पीढ़ी भली-भाँति जानती है। हमारी नयी पीढ़ी बहुत Talented है यह हमारे लिये गर्व की बात है व हमारे भविष्य के उज्ज्वल होने का संकेत भी है। इसे हमें बहुत आगे बढ़ाना है और बढ़ भी रहा है, मुझे पता लगा है कि E-Commerce में 100 foreign equity वाले project आए हैं जिनमें 40 मारवाड़ी युवा पीढ़ी के हैं और उनमें Top 10 जो हैं वो भी मारवाड़ी युवाओं के हैं। जिसमें Flipkart के Founder सचिन बंसल, मुकेश बंसल, Snapdeal के रोहित बंसल और कुनाल बहल तथा Yebhi के Founder मनमोहन अग्रवाल के नाम उल्लेखनीय हैं।

हम सबको मिलकर काम करना है - महिला सम्मेलन, युवा मंच व अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सब एक हैं। हम आपस में बैठकर चर्चा करेंगे कि कैसे मिलकर समाज को और आगे बढ़ाया जाए।

आनेवाला समय बहुत उज्ज्वल है। हम सबको मिलकर इस उज्ज्वलता का सबको एहसास कराना है।

कोई पिछड़ न जाए, हमसे कोई बिछुड़ न जाए - आइये इस भावना से हम काम करें और आगे बढ़ते रहें। आपने मुझे सबसे मिलने का मौका दिया और मुझे सुना, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द! ★★★

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता), राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री सुरेन्द्र लाठ (उत्कल), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री ओंकारमल अग्रवाल (गुवाहाटी), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री कैलाशपति तोदी (हवड़ा, प. बंग), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (कोलकाता), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
श्री सन्तोष सराफ (कोलकाता), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री राज कुमार पुरोहित (मुम्बई), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री कमल नोपानी (पटना), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री शिव कुमार लोहिया (हवड़ा, प. बंग), राष्ट्रीय महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता), राष्ट्रीय संगठन मंत्री
श्री दिनेश कुमार जैन (कोलकाता), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

सदस्य, कार्यकारिणी समिति

श्री आत्माराम सोंथलिया (कोलकाता)
श्री प्रह्लाद राय गोयनका (कोलकाता)
डॉ. जुगल किशोर सराफ (कोलकाता)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (कोलकाता)
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल (कोलकाता)
डॉ. बिट्ठल दास मुंधड़ा (कोलकाता)
श्री विनय सरावगी (राँची)
श्री पवन कुमार सुरेका (दरभंगा, बिहार)
श्री रमेश कुमार बंग (हैदराबाद)
श्री अशोक कुमार तोदी (कोलकाता)
श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला (कोलकाता)
श्री बाबूलाल धनानिया (कोलकाता)
श्री हरि प्रसाद बुधिया (कोलकाता)
श्री नन्द किशोर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार जालान (कोलकाता)
श्री श्याम सुन्दर बेरीवाल (कोलकाता)
श्री अमित सरावगी (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ सेकसरिया (कोलकाता)
श्री भगवती प्रसाद जालान (कोलकाता)
श्रीमती सुषमा अग्रवाल (पटना)
श्री हरिकृष्ण चौधरी (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल मित्तल (कोलकाता)
श्री श्याम अग्रवाल (कोलकाता)
श्री राजेश गुप्ता (नई दिल्ली)
श्री बनवारीलाल शर्मा (सोती) (कोलकाता)
श्री नारायण प्रसाद डालमिया (कोलकाता)
श्री विवेक गुप्त (कोलकाता)
श्री सज्जन भजनका (कोलकाता)
श्री सन्तोष कुमार रुंगटा (कोलकाता)
श्री दीनदयाल गुप्ता (कोलकाता)
श्री कमल कुमार दुग्गड़ (कोलकाता)
श्री गौरी शंकर अग्रवाल (बलांगीर, उत्कल)
श्री राज कुमार केडिया (राँची)
श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल (गुवाहाटी)
श्री ऋषि बागड़ी (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)

स्थायी विशिष्ट आमंत्रित

श्री गोविन्द प्रसाद केजरीवाल (कोलकाता)
श्री भंवरलाल जैसनसरिया (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार जैन (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल (कोलकाता)
श्री प्रमोद कुमार शाह (कोलकाता)
श्री सुभाष मुरारका (कोलकाता)
श्री द्वारिका प्रसाद गनेरीवाल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार लिल्हा (कोलकाता)
श्री श्यामलाल डोकानिया (कोलकाता)
श्री सांवरलाल शर्मा (जमशेदपुर)
श्री सम्पतमल बच्छावत (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री निकुंज बिदावतका (कोलकाता)
श्री देव किशन मोहता (हवड़ा)
श्री विश्वनाथ भुवालका (कोलकाता)
श्री सुदेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री घनश्याम दास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री नंदगोपाल खेतान (कोलकाता)
श्री धरम चंद अग्रवाल (कोलकाता)
श्री धरम चंद जैन (मोदी) (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र प्रसाद पंसारी (कोलकाता)
श्री प्रेमचंद सुरेलिया (हवड़ा)
श्री द्वारिका प्रसाद डाबड़ीवाल (कोलकाता)
श्री जगदीश प्रसाद पोद्दार (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार सेकसरिया (कोलकाता)
श्री रतनलाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विजय कुमार गुजरवासिया (कोलकाता)
श्री वरुन बियानी (कोलकाता)
श्री ब्रह्मानंद अग्रवाल (कोलकाता)
श्री मुरारी लाल खेतान (कोलकाता)
श्री इन्द्र चंद गुप्ता (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र कुमार बच्छावत (कोलकाता)
श्री भागचंद पोद्दार (राँची)
श्री रवीन्द्र चमड़िया (कोलकाता)
श्री नंदलाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री राम कैलाश गोयनका (कोलकाता)
श्री भगवान दास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार जालान (कोलकाता)
श्री राज कुमार गुप्ता (कोलकाता)
श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया (कोलकाता)
श्री जगदीश प्रसाद चौधरी (कोलकाता)

पदेन सदस्य

श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रतनलाल शाह (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री सन्तोष सराफ (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री नरेश चंद्र विजयवर्गीय, अध्यक्ष, आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, अध्यक्ष, बिहार सम्मेलन
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, अध्यक्ष, झारखण्ड सम्मेलन
श्री कमलेश नाहटा, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश सम्मेलन
श्री जयप्रकाश एस. मुंधड़ा, अध्यक्ष, महाराष्ट्र सम्मेलन
श्री मधुसूदन सीकरिया, अध्यक्ष, पूर्वोत्तर सम्मेलन
श्री बिजय डोकानियाँ, अध्यक्ष, पश्चिम बंग सम्मेलन
श्री आकाश गोयनका, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सम्मेलन
श्री पवन कुमार गोयनका, अध्यक्ष, दिल्ली सम्मेलन
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, अध्यक्ष, उत्कल सम्मेलन
श्री रंजीत कुमार जालान, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड सम्मेलन
श्रीमती मीना गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्षा, मारवाड़ी महिला सम्मेलन
श्री रवि कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच
श्री नंदलाल रुँगटा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रामअवतार पोद्दार (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री भानीराम सुरेका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री रामपाल अट्टल, महामंत्री, आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन
श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, महामंत्री, बिहार सम्मेलन
श्री बसंत कुमार मित्तल, महामंत्री, झारखण्ड सम्मेलन
श्री सुभाष पागरिया, महामंत्री, मध्य प्रदेश सम्मेलन
श्री नेमिचंद पोद्दार, महामंत्री, महाराष्ट्र सम्मेलन
श्री प्रमोद तिवाड़ी, महामंत्री, पूर्वोत्तर सम्मेलन
श्री सत्यनारायण अग्रवाल, महामंत्री, पश्चिम बंग सम्मेलन
श्री आदित्य बरसिया, महामंत्री, उत्तर प्रदेश सम्मेलन
श्री राज कुमार मिश्र, महामंत्री, दिल्ली सम्मेलन
श्री जगदीश गोलपुरिया, महामंत्री, उत्कल सम्मेलन
श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल, महामंत्री, उत्तराखण्ड सम्मेलन
श्रीमती सुषमा अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री, मारवाड़ी महिला सम्मेलन
श्री अशोक कठारिया, राष्ट्रीय महामंत्री, मारवाड़ी युवा मंच

ममता बैनार्जी
ममता बैनर्जी
ممتا بنرجی
Mamata Banerjee

मुख्यमंत्री, पश्चिमबंग
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल
وزیراعلیٰ مغربی بنگال
CHIEF MINISTER, WEST BENGAL

2nd June, 2016

Dear Shri Agarwala Ji,

Thank you very much for your good wishes. Please convey my thanks to the other members of your association as well.

The overwhelming victory in the elections to the West Bengal Legislative Assembly, 2016 is the victory of the people of Bengal, who have yet again, reposed full faith in us and mandated our government's commitment to development, good governance and people-first policies and practises. It is truly the victory of 'Ma, Mati, Manush'.

I am very happy to have your cooperation in our endeavour to realize the aspirations of the people of Bengal.

Wishing you the very best and expecting your full support in the coming days as well.

With regards,

Yours sincerely,

(Mamata Banerjee)

Shri Prahalad Rai Agarwala
National President
All India Marwari Federation
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani
Kolkata– 700 017

Nabanna, West Bengal Secretariat, Howrah-711 102
West Bengal, India
Tel : + 91-33-22145555, + 91-33-22143101
Fax : + 91-33-22144046, + 91-33-22143528

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:

1 Gibson Lane, 2nd Floor

Suite- 211, Kolkata- 700069

Phone : 2210-3480,2210-3485

Fax: 2231-9221

E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :

Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

५५ सालों बाद कोलकाता में आयोजित हुआ सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन

पूरे देश में मारवाड़ी समाज ने सभी क्षेत्रों में बनाया उल्लेखनीय स्थान – राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला ने किया पदभार ग्रहण

– संजय हरलालका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को माल्यार्पण कर पदभार देते श्री रामअवतार पोद्दार; साथ में राज्यपाल महोदय, विधायक श्री मोहनलाल गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा एवं अन्य।

१९६१ के बाद २०१६, यानि ५५ सालों बाद अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन कोलकाता में आयोजित हुआ। इसके साथ ही मनाया गया ८०वाँ वर्षगाँठ समारोह। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के साथ मिलकर आयोजित हुए इस दो दिवसीय (९-१० अप्रैल २०१६) २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मेलन-स्थापना के ८०वें वर्षगाँठ समारोह का उद्घाटन प. बंगाल के राज्यपाल महामहिम **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** के कर-कमलों से नेशनल लाईब्रेरी के भाषा भवन सभागार में हुआ। इस मौके पर नये सत्र के लिए बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने **श्री रामअवतार पोद्दार** से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर **डॉ. किरणचन्द नाहटा** (बीकानेर, राजस्थान) को 'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान', **श्री करतार योगी** (झुंझनू, राजस्थान) को 'केदारनाथ भागीरथीदेवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान' एवं **श्री काशीप्रसाद झुनझुनवाला** (राउरकेला, ओडिशा) को 'भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मान के तहत तिलक, माला, श्रीफल, पगड़ी, चेक आदि इन्हें प्रदान किया गया। राज्यपाल ने सबको अभिनन्दन पत्र सौंप कर सम्मानित किया। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति **श्री रमेश चन्द्र लाहोटी**, जिन्हें 'राम निवास आशारानी लाखोटिया मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान – २०१५' से सम्मानित किया गया, समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

अपने उद्घाटन-भाषण में **महामहिम राज्यपाल** ने कहा कि स्थापना के ८० वर्ष पूरे करना सम्मेलन हेतु गर्व का विषय है और इस काल में सम्मेलन ने समाज और राष्ट्र के विकास में अतुलनीय योगदान किया है। उन्होंने कहा कि इस समाज ने स्वतंत्रता संग्राम में महती और व्यापार-वाणिज्य में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ-साथ कला, संस्कृति, तकनीक, शिक्षा एवं अन्यान्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय स्थान बनाया है और राष्ट्र के विकास में बहुविध योगदान कर रहा है। उन्होंने प्रसन्नता जतायी कि सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' है। समाज सुधार के क्षेत्र में सम्मेलन के हस्तक्षेपों एवं प्रयासों को अत्यंत सफल बताते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि वैचारिक संस्था की अपनी भूमिका में सम्मेलन समाज को एक सूत्र में पिरोकर उसकी ऊर्जा को राष्ट्रहित में कारगर ढंग से प्रयुक्त करने में संलग्न है। समाज-सुधार को निरंतर प्रक्रिया बताते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन अपने उद्देश्यों की ओर सतत् प्रयत्नशील रहेगा और सफलता प्राप्त करेगा।

समारोह के विशिष्ट अतिथि सांसद **श्री विवेक गुप्त** ने सम्मेलन के ८० वर्षों के कार्यकाल को गौरवपूर्ण बताते हुए कामना की कि सम्मेलन आने वाले समय में समाज की निस्वार्थ सेवा करता रहे।

समारोह के स्वागताध्यक्ष एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्बोधन में मारवाड़ी समाज, संस्कृति एवं सम्मेलन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सम्मेलन उन गिनी-चुनी संस्थाओं में है जो अपनी कमियों पर चर्चा करती है। श्री शर्मा ने कहा कि धन के बढ़ते प्रभाव से आज स्थिति यह हो गई है कि धनी भाई ही सबसे बड़ा भाई है। बुजुर्गों के प्रति सम्मान में कमी आयी है, पंचायत-पंच का अभाव है, राजनीतिक सक्रियता की कमी है। सम्मेलन को अपने प्रयास निरंतर जारी रखने होंगे और वर्तमान समस्याओं से पार पाना होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने अपने संबोधन में सत्र २०१३-१६ के सम्मेलन के मुख्य क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें अपने प्रयासों में निरंतरता बनाये रखनी होगी और संगठन की मजबूती बढ़ाने के प्रयासों को जारी रखना होगा। अपने उद्बोधन के तुरन्त बाद उन्होंने निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को पदभार सौंपा।

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने प्रथम सम्बोधन में **श्री अगरवाला** ने सबका अभिनंदन करने के पश्चात सर्वप्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अप्रतिम योगदान करनेवाले समाज के पुरुष-महिलाओं को याद किया एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मारवाड़ियों को विरासत में मिले गुणों - अहिंसा, सहनशीलता, ईमानदारी, सात्विक आहार, पारिवारिक बंधन, सहयोग व दानशीलता, ईश्वर पर विश्वास, कर्मयोग, राष्ट्रप्रेम की चर्चा करते हुए श्री अगरवाला ने इन खूबियों को बचाये रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समाज के समक्ष वर्तमान समस्याओं के आलोक में साथी संगठनों यथा महिला सम्मेलन एवं युवा मंच सहित समग्र समाज को एक सूत्र में

उद्घाटन सत्र की झलकियाँ

चित्र विवरण : (१) प्रवेश द्वार (२), (३), (४) क्रमशः श्री करतार योगी, डॉ. किरणचन्द नाहटा एवं श्री काशीप्रसाद झुनझुनवाला को सम्मानित करते राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी (५) समाज विकास विशेषांक का विमोचन (६) उद्घाटन सत्र में पधारीं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती वीरबाला कासलीवाल एवं अन्य प्रतिनिधिगण।

उद्घाटन सत्र : खचाखच भरे भाषा भवन सभागार में प्रतिनिधिगण

पिरोकर साथ चलने को उन्होंने समय की जरूरत बताया।

इस अवसर सम्मेलन के मासिक मुखपत्र 'समाज विकास' के विशेषांक का विमोचन भी किया गया।

इसके पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सम्मेलन के सत्र २०१३-१६ के कार्यकलापों पर संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने संचालन किया एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री विजय डोकानियाँ** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। इस मौके पर मंच पर सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष व अधिवेशन के स्वागत समिति के उपाध्यक्षद्वय **श्री नन्दलाल रुँगटा** एवं **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** सहित स्वागत मंत्री **श्री संतोष सराफ**, स्वागत समिति के अर्थ मंत्री **श्री आत्माराम सोंथलिया**, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **श्री रमेशचन्द गोपीकिशन बंग**, **श्री सुरेन्द्र लाठ**, **श्री विनय सरावगी**, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** व **श्री अमित सरावगी**, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रवि अग्रवाल** एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा **श्रीमती वीरबाला कासलीवाल** भी उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र के पूर्व सुबह हवड़ा स्थित लेक लैंड कंट्री क्लब में **विषय निर्वाचनी समिति की बैठक** आयोजित की गयी। बैठक में राष्ट्रीय/प्रांतीय पदाधिकारियों एवं राष्ट्र के विभिन्न भागों से पधारे प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में अधिवेशन के 'खुला सत्र' हेतु प्रस्तावित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रस्तावों में आवश्यक संशोधन किए गए एवं तत्पश्चात् उन्हे खुला सत्र में प्रस्तुत करने की स्वीकृति दी गयी।

रात्रि-भोज के पूर्व लेक लैंड कंट्री क्लब में कोलकाता की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था **सीकर नागरिक परिषद** द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजस्थानी लोक-संगीत की अद्भुत रंग-विरंगी प्रस्तुति ने राष्ट्र भर से पधारे प्रतिनिधियों को अपनी माटी की झलक पर झूमने पर मजबूर कर दिया। सबने एक सुर में कार्यक्रम की प्रशंसा की।

अधिवेशन के दूसरे दिन प्रातः लेक लैंड कंट्री क्लब में **'खुला सत्र'** का आयोजन किया गया। 'खुला सत्र' में विषय निर्वाचनी समिति द्वारा पारित **'समाज सुधार'**, **'आर्थिक'**, **'राष्ट्रीय एकता'**, **'संगठन'**, **'राजनैतिक चेतना और भागीदारी'**, **'राजस्थानी भाषा'**, **'पर्यावरण'**, **'समाज के विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मान'** एवं **'संविधान संशोधन'** विषयक प्रस्ताव पारित किए गए। बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं उनकी सरकार द्वारा बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू करने एवं उसके अनुपालन हेतु कड़े कदम उठाने के लिए एक **धन्यवाद प्रस्ताव** भी पारित किया गया। प्रत्येक प्रस्ताव पारित करने के पूर्व, प्रस्तावक एवं अनुमोदक द्वारा प्रस्तुति के पश्चात, प्रस्ताव के विषय-वस्तु पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

'खुला सत्र' को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने अपने निर्विरोध निर्वाचन हेतु आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज प्रांतों की ओर से किये गये अभिनन्दन से वे भाव-विभार हैं। उन्होंने संगठन की मजबूती, सक्रियता एवं उत्तरोत्तर प्रगति हेतु शाखा, जिला एवं प्रादेशिक सम्मेलनों से अपने विचार/प्रस्ताव भेजने का आह्वान किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि २४वें अधिवेशन से मुख्यतः दो निष्कर्ष निकले हैं – (१) संगठन मजबूत हो, (२) अपनी आवाज को मजबूत करना। अतः हमारा नारा हो – **संगठित समाज और सशक्त आवाज**।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नन्दलाल रुँगटा** ने विगत सत्र की सफलता का उल्लेख करते हुए प्रांतों के दौरों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार को साधुवाद दिया। खुले सत्र का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने किया।

अंत में निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने अपने सत्र में मिले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के सहयोग के प्रति आभार जताया तथा

खुला सत्र मंच : (बायें से) सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका, गोवर्धन गाड़ोदिया, विनय सरावगी, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अग्रवाल, सीताराम शर्मा, नन्दलाल रुँगटा, सुरेन्द्र लाठ, बिजय डोकानिया; पीछे - सर्वश्री बसन्त मित्तल, पवन गोयनका एवं राजकुमार मिश्रा।

पदाधिकारियों से मिले सहयोग के लिए उन्हें सम्मानित किया। श्री पोद्दार ने उनके दौरों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के लिए **बिहार, झारखण्ड, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तराखण्ड** प्रांत को सम्मानित किया वहीं सदस्यता वृद्धि के लिए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल झुनझुनवाला** व महामंत्री **श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल**, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन गाड़ोदिया** व महामंत्री **श्री बसंत मित्तल**, शाखाओं को सक्रिय करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करने के लिए उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** (जो कि उपस्थित नहीं थे) व महामंत्री **श्री जगदीश गोलपुरिया**, शाखा विस्तार के लिए दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** तथा महामंत्री **श्री राजकुमार मिश्रा** को मेमेन्टो देकर सम्मानित किया। दो दिवसीय अधिवेशन की सफलता के लिए सक्रिय योगदान देने वाले स्वागत कमेटी के सदस्य **सर्वश्री दिलीप गोयनका, मुकेश खेतान, प्रमोद जैन, विनोद सराफ, पंकज टिबड़ेवाल, अनिल डालमिया, पवन जैन, अजीत सहेवाल, संदीप अग्रवाल, मनीष गौरीसरिया, बिमल चौधरी, सजन बेरीवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, संदीप सेक्सरिया, संजय अग्रवाल, राजेश पोद्दार, नरेश शर्मा, विकास सोमानी, अशोक कानोड़िया, राजेश अग्रवाल, विष्णु पोद्दार, प्रदीप केडिया, प्रदीप जीवराजका, आकाश गुप्ता** सहित अन्यों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा सम्मेलन के कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से भी अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** ने भी वहाँ उपस्थित सभी प्रांतों के अध्यक्ष तथा महामंत्री का सम्मान किया।

अधिवेशन में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष **श्री बलराम सुलतानिया** व **श्री अनिल जाजोदिया**, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री कमल नोपानी**, निवर्तमान अध्यक्ष **श्री पवन सुरेका** व महामंत्री **श्री वासु सराफ**, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के निर्वतमान अध्यक्ष **श्री राज कुमार केडिया**, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निर्वतमान अध्यक्ष **श्री नकुल अग्रवाल**, महामंत्री **श्री मनोज जैन**, **श्री गौरीशंकर अग्रवाल**, महाराष्ट्र से **श्री वीरेन्द्र धोका**, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री सत्यनारायण अग्रवाल** सहित पूरे देश से सैंकड़ों प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

लेक लैण्ड कंट्री क्लब में सम्मेलन द्वारा उपलब्ध करवाये गये फोटो सेल्फी स्टॉल में सदस्यों ने जमकर अपनी तस्वीरे खिंचवाई ताकि इन

प्रह्लाद राय अगरवाला का अभिनन्दन करते बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधिगण।

प्रह्लाद राय अगरवाला का अभिनन्दन करते उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधिगण।

(दायें) पगड़ी एवं अंगवस्त्र पहनाकर प्रह्लाद राय अगरवाला का अभिनन्दन करते अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल।

श्री रामअवतार पोद्दार द्वारा राष्ट्रीय/प्रांतीय पदाधिकारियों का सम्मान
(१) श्री आत्माराम सोंथलिया (२) श्री पवन सुरेका (३) श्री शिव कुमार लोहिया (४) श्री कैलाशपति तोदी
(५) श्री गौरीशंकर अग्रवाल (६) श्री संतोष सराफ (७) श्री जगदीश गोलपुरिया (८) श्री मनोज जैन।

खुला सत्र में प्रतिनिधिगण।

फोटो गैलरी के विषय में बताते श्री ओम प्रकाश अग्रवाल।

तस्वीरों के माध्यम से यह अधिवेशन चिरकाल तक उनकी यादों में बसा रहे। साहित्य मण्डप में राजस्थानी भाषा सहित साहित्य की अनेक पुस्तकों को रखा गया था, जिसका सदस्यों ने अवलोकन किया।

पूरे समारोह के दौरान सम्मेलन के गौरवपूर्ण अतीत एवं महत्वपूर्ण गतिविधियों को दिखाती एक फोटो गैलरी **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** के निर्देशन में प्रदर्शित की गयी, जिसे प्रतिनिधियों ने बहुत सराहा।

कुल मिलाकर यह अधिवेशन आने वाले कई सालों के लिए सदस्यों के जेहन में एक अमिट छाप छोड़ गया। ★★★

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **#MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **#BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **#BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW ▲ APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty • Online Application Facility
- Regular/ Weekend Classes • Hostel
- AC Classrooms • P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English ▲ Foreign Languages ▲ Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development ▲ Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship • Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के 'खुला सत्र' (१० अप्रैल २०१६) में पारित प्रस्तावों का सारांश

विषय : समाज सुधार

प्रस्तावकः श्री रमेश चन्द गोपीकिशन बंग, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदकः श्री राजकुमार केडिया, निवर्तमान अध्यक्ष, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन

दहेज प्रथा, बढ़ते आडम्बरपूर्ण वैवाहिक प्रदर्शन तथा वधू उत्पीड़न, जैसी कूरीतियों के प्रति यह अधिवेशन क्षोभ व्यक्त करता है। यह सम्मेलन धन के बढ़ते महत्व, विवाहों में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन, गिरते नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों, बढ़ते तलाक, बुजुर्गो के प्रति घटते सम्मान, धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़ता आडम्बर एवं फिजूलखर्ची पर भी चिन्ता व्यक्ति करता है।

सम्मेलन का यह मानना है कि नारी सम्बंधी विभिन्न सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु उचित पारिवारिक वातावरण, सहनशीलता के साथ-साथ नारी को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना होगा।

जो परिवार या व्यक्ति अपने वैवाहिक/धार्मिक अनुष्ठानों में आडम्बर से परे रहते हैं एवं सादगी का पालन करके एक आदर्श स्थापित करते हैं, सम्मेलन उन्हें समुचित सम्मान देने का आह्वान करता है।

विषय : आर्थिक

प्रस्तावकः श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
अनुमोदकः श्री विनोद तोदी, उपाध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध करता है कि जी.एस.टी. विल पारित करने हेतु आवश्यक कदम उठायें। मध्यम वर्ग की आवश्यकताओं पर सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। महंगाई एवं कर के भार से त्रस्त निम्न एवं मध्यम वर्ग की आवश्यकताओं पर सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। छोटे एवं मध्यम उद्योगों के विकास के लिये सरकारों को उपयुक्त औद्योगिक वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। सम्मेलन सरकारों से इस दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह करता है। व्यापारी वर्ग को भी सम्मेलन राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सर्वप्रकार से सहयोग देने का आह्वान करता है।

विषय : राष्ट्रीय एकता

प्रस्तावकः श्री बसंत मित्तल, महामंत्री, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन
अनुमोदकः श्री अभय सराफ, उपाध्यक्ष, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन

यह अधिवेशन भारत की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सर्वोपरि मानता है एवं राष्ट्र की सार्वभौमिकता तथा अखण्डता को चुनौती देने वाली सभी प्रकार की विघटनकारी, आतंकवादी एवं हिंसक प्रवृतियों के विरुद्ध सचेत रहने एवं प्रतिकार करने के लिये समाज का आह्वान करता है। प्रान्तीयता, क्षेत्रीयता, भाषा, संस्कृति, धर्म एवं सम्प्रदाय के आधार पर अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली प्रवृतियों के विरुद्ध एवं राष्ट्र में एकता, भाईचारे, समरसता की भावना को विकसित करने के लिये सम्मेलन समाज से प्रभावी भूमिका निभाने की अपील करता है।

विषय : संगठन

प्रस्तावकः श्री भागचंद पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन
अनुमोदकः श्री कमल नोपानी, पूर्व अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

समाज के सभी व्यक्तियों को एकसूत्र में आबद्ध करने की दिशा में सफल एवं सार्थक कार्य सम्पन्न करने हेतु सम्मेलन की सांगठनिक शक्ति को और ज्यादा मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके लिये महिलाओं एवं युवक-युवतियों को भी अपने कार्यक्रमों से जोड़ना आवश्यक होगा।

जरूरी है कि नगर, जिला एवं राज्य स्तर पर संगठन को सशक्त एवं प्रभावशाली बनाया जाये। राज्य एवं राष्ट्र स्तर पर सदस्यता, प्रांतों एवं शाखाओं की सक्रियता, नये प्रांतों में शाखाओं का विस्तार सहित अन्य माध्यमों से समाज के लोगों को जोड़कर सम्मलन के राष्ट्रीय स्वरूप को मजबूत करना है। एक ओर प्रांतीय सम्मेलनों को इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, वहीं राष्ट्रीय सम्मेलन को इस ओर समन्वय, दिशा-निर्देशन एवं सक्रिय सहयोग प्रदान करना है।

राजनैतिक चेतना और भागीदारी

प्रस्तावकः श्री सुरेन्द्र लाठ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,
अनुमोदकः प्रो. ओम प्रकाश प्रणव, उपाध्यक्ष, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन गणतांत्रिक व्यवस्था का हामी रहा है तथा केन्द्र एवं राज्यों में ऐसी सरकारें चाहता है जो स्थायी, निष्पक्ष, भ्रष्टाचारमुक्त एवं प्रगतिशील हों, जो देश को विकास एवं प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के लिये कटिबद्ध हों।

सम्मेलन मारवाड़ी समाज में राजनैतिक चेतना को जागृत कर राजनैतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देता है। मारवाड़ी सम्मेलन समाज की राजनैतिक आवाज एवं प्रभावशाली भूमिका के लिये सभी सदस्यों को राजनैतिक रूप से जागरूक रहने का आह्वान करता है।

विषय : राजस्थानी भाषा

प्रस्तावकः श्री विनय सरावगी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदकः श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, अध्यक्ष, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन इस विषय पर क्षोभ, निराशा एवं असंतोष व्यक्त करता है कि विभिन्न स्तर पर आश्वासनों के बाद भी राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है।

सम्मेलन समाज के सांसदों एवं विधानसभा सदस्यों से केन्द्रीय सरकार से राजस्थानी भाषा को सांवैधानिक एवं राज्य भाषा का सम्मान एवं स्थान देने के लिये ईमानदारी से सक्रिय प्रयास करने का आह्वान करता है।

विषय : पर्यावरण

प्रस्तावकः श्री प्रदीप जीवराजका
अनुमोदकः श्री राजकुमार मिश्रा, महामंत्री, दिल्ली प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

भारत सरकार द्वारा प्रतिप्रादित "स्वच्छ भारत अभियान" का सम्मेलन पूर्ण समर्थन करता है। समाज के सभी वर्गों से इस अभियान को पूर्ण रूप से समर्थन एवं सहयोग देने की अपील करता है।

जल एवं उर्जा सहित सभी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता है। अतः सम्मेलन सभी से उनके संतुलित उपयोग का आह्वान करता है।

विषय : समाज के विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मान

प्रस्तावकः श्री विनय सरावगी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अनुमोदकः श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का यह राष्ट्रीय अधिवेशन सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करता है कि डॉ. राममनोहर लोहिया, स्व. घनश्याम दास विड़ला एवं सेठ जमनालाल बजाज की राष्ट्र के प्रति की गयी सेवाओं के लिये उन्हें मरणोपरांत 'भारतरत्न' की उपाधि से विभूषित किया जाये।

विषय : संविधान संशोधन

प्रस्तावकः श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री
अनुमोदकः श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी

यह अधिवेशन सम्मेलन के वर्तमान संविधान की निम्नलिखित धाराओं को निम्नवत संशोधित करता हैः

धारा १(३) : प्रदेश, प्रांत, प्रादेशिक या प्रांतीय से प्रसंगानुसार क्षेत्र या क्षेत्रीय समझा जायेगा।

धारा ५(अ)२(ज) : कम से कम २,५०० रुपये की राशि दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का आजीवन सदस्य माना जाएगा।

धारा ५(अ)(२)(च) : राष्ट्र, प्रांत एवं शाखा स्तर पर सम्मेलन की एक ही सदस्यता होगी। विशिष्ट संरक्षक सदस्य के अतिरिक्त, प्रांत या शाखा स्तर पर जिस श्रेणी के भी सदस्य बनेंगे उनसे प्राप्त राशि का ३० प्रतिशत प्रांतीय सम्मेलन द्वारा केन्द्रीय सम्मेलन को भेजा जाएगा। इसी तरह केन्द्रीय सम्मेलन द्वारा विशिष्ट संरक्षक सदस्य के अतिरिक्त बनाये जाने वाले सभी सदस्यों की राशि का ७० प्रतिशत हिस्सा संबंधित प्रांतीय सम्मेलन को दिया जायेगा। आवश्यकतानुसार इस प्रतिशत विभाजन में संशोधन का अधिकार अखिल भारतीय समिति को होगा। विशिष्ट संरक्षक सदस्य केवल केन्द्रीय कार्यालय से ही बनाये जा सकेंगे और उनकी पूरी राशि भी केन्द्रीय सम्मेलन के पास ही रहेगी। प्रांतीय सम्मेलन सम्बन्धित शाखाओं को परस्पर सहमति के आधार पर उनका हिस्सा देगा। सभी स्तर पर आजीवन, संरक्षक एवं विशिष्ट संरक्षक सदस्यता से प्राप्त राशि कोष के रूप में जमा रहेगी। इस कोष का ब्याज ही खर्च किया जा सकेगा। केन्द्रीय सम्मेलन अखिल भारतीय समिति एवं प्रांतीय सम्मेलन सम्बन्धित प्रांतीय समिति की अनुमति से कोष की राशि अचल सम्पत्ति के क्रय/निर्माण आदि के लिए खर्च कर सकते हैं।

धारा ५(अ)(३) : केन्द्र द्वारा प्रादेशिक सम्मेलनों से शुल्क का ३० प्रतिशत अंश प्राप्त होने के उपरान्त ही औपचारिक रूप से सदस्यता स्वीकृत एवं सूचीबद्ध होगी। इसी तरह प्रादेशिक सम्मेलन केन्द्र से सदस्यता सम्बन्धित ७० प्रतिशत राशि प्राप्त करने पर सदस्यता सूचीबद्ध करेंगे। प्रांतो द्वारा नये सदस्य बनाने के एक माह के अन्दर उसकी आवश्यक जानकारी, सदस्यता फार्म की प्रतिलिपि एवं ३० प्रतिशत धनराशि केन्द्रीय कार्यालय को भेजने की बाध्यता होगी अन्यथा सदस्यता के लिये आवेदनकर्ता को सम्मेलन के सदस्य के रूप में स्वीकृत नहीं समझा जाएगा एवं प्रांत को सम्पूर्ण धनराशि आवेदनकर्ता को एक माह के अंदर लौटा देनी होगी। प्रांतो द्वारा बनाये गये सदस्य की सदस्यता उपरोक्त आवश्यकताओं को पूर्ण किये बिना प्रभावी नहीं होगी। इन प्रावधानों की सूचना प्रांतो द्वारा छापे गये प्रत्येक सदस्यता फार्म में देने की बाध्यता होगी।

धारा ६(३) : शाखा सभा के पदाधिकारियों तथा उनकी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का कार्यकाल २ वर्ष का होगा तथा कार्यकाल की समाप्ति के ६ महीनों के अन्दर नया चुनाव हो जाना चाहिए। यदि उपर्युक्त अवधि में चुनाव नहीं होता है तो पुरानी समिति स्वतः भंग समझी जायेगी और सभी अधिकार प्रादेशिक सम्मेलन में निहित होंगे तथा प्रादेशिक सम्मेलन को अधिकार होगा कि वे अगले तीन महीनों में नया चुनाव करवा दे।

धारा ८(अ)(२) : सभी प्रादेशिक सम्मेलनों को अपना, केन्द्र द्वारा स्वीकृत, संविधान एवं नियमावली निश्चित करने का अधिकार होगा। किन्तु सभी प्रादेशिक सम्मेलनों के नाम इस प्रकार होंगे - पहले संबंधित प्रांत का नाम यथा बिहार, उसके बाद 'प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन' या 'प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन' जोड़ा जायेगा। नाम के नीचे 'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा' या 'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध' तथा साथ में राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रतीक चिह्न उल्लेखित करना आवश्यक होगा। सभी प्रदेशों के लेटरहेड में एकरूपता रहेगी तथा उसमें अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का लोगो अनिवार्य होगा।

धन्यवाद प्रस्ताव

प्रस्तावकः श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
अनुमोदकः श्री महेश जालान, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन का यह अधिवेशन बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं उनकी सरकार द्वारा शराबबंदी के क्रांतिकारी कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है, उन्हें कोटिशः धन्यवाद देता है और सभी समाजबन्धुओं से आग्रह करता है कि इस महत्वपूर्ण सामाजिक आंदोलन को अपना सम्पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

शोक प्रस्ताव

प्रस्तावकः श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री
अनुमोदकः श्री संदीप सेकसरिया, सदस्य, स्थायी समिति

सम्मेलन का यह अधिवेशन गत अधिवेशन (दिसम्बर २०१३) के बाद अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के दिवंगत सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त करता है और उनकी श्रेष्ठ गति हेतु ईश्वर का प्रार्थी है। ★ ★ ★

सुनियोजित संगठन-विस्तार समय की माँग : प्रह्लाद राय अगरवाला

बैठक को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला; मंच पर (बायें से) सर्वश्री कैलाशपति तोदी, सुरेन्द्र लाठ, सन्तोष सराफ, रामअवतार पोद्दार, शिव कुमार लोहिया, ओंकारमल अगरवाला, कमल नोपानी एवं संजय हरलालका।

'हमें सेवा भावना के साथ समर्पित होकर कार्य करना है। सबको साथ लेते हुए, संगठन का विस्तार कर अपनी ताकत बढ़ानी है जिसके लिये हमें पहले विचार-विमर्श कर अपना लक्ष्य निर्धारित करना होगा और फिर अपने सतत् प्रयासों से उस लक्ष्य को प्राप्त करना होगा। कलयुग में संगठन में ही शक्ति है।' ये उद्‌गार हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के जो उन्होंने **८ मई २०१६** को आशुतोष दे लेन, **कोलकाता स्थित सीकर नागरिक परिषद सभागार** में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रकट किए।

बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने सबका स्वागत किया एवं तत्पश्चात् अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (१९ दिसम्बर २०१५; भुवनेश्वर) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने गत ९-१० अप्रैल २०१६ को आयोजित सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं ८०वें वर्षगाँठ समारोह पर सविवरण रपट प्रस्तुत की। अधिवेशन की स्वागत समिति के कोषाध्यक्ष **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने अधिवेशन हेतु आय/व्यय का संक्षिप्त विवरण दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के गठन का अधिकार प्रदान किया गया। सम्मेलन के बैंक खाताओं के परिचालन हेतु सम्मेलन के **राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं चेयरमैन, वित्तीय उपसमिति** को अधिकृत किया गया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नवगठित टीम को बधाई देते हुए कहा कि समाज एवं सम्मेलन को इनसे बहुत अपेक्षाएँ हैं जिन्हें पूरा करना एक चुनौती है। एकल सदस्यता के सफलतापूर्वक लागू होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र कार्यक्रम निर्धारित करे और प्रांतों से समन्वय रख उनका क्रियान्वन सुनिश्चित करे।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि सम्मेलन के कार्यक्रमों में समाज सुधार का सर्वोपरि स्थान है - यह सम्मेलन की मूल भावना है। वर्तमान में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन एक बड़ी समस्या है। मद्यपान से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के विषय में हम सभी को अपने परिवारों से चर्चा करनी चाहिए जिससे अधिकाधिक लोग इस विषय में शिक्षित हो सकें। श्री रूँगटा ने कहा कि नयी पीढ़ी का जुड़ाव व्यवसाय से कम हो रहा है, इस विषय पर भी सम्मेलन को विचार करना होगा। उन्होंने अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठकें प्रांतों में आयोजित करने की भी सलाह दी।

श्री सीताराम शर्मा

श्री नंदलाल रुँगटा

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा प्रांतों के दौरों की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इससे शाखाओं में उत्साह पैदा होता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य यह होना चाहिये कि प्रत्येक मारवाड़ी परिवार में सम्मेलन का कम से कम एक सदस्य जरूर हो।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** ने कहा कि हमें सम्मेलन को देश के कोने-कोने तक ले जाना है। संगठन मजबूत होने से ही हमारी प्रगति होगी और राजनैतिक लक्ष्य पूरे होंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र लाठ** ने कहा कि २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन का नारा 'संगठित समाज, सशक्त आवाज' एक सही मंत्र है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हमें समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुँचना होगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष कुमार सराफ** ने प्रादेशिक सम्मेलनों की सदस्यता निर्देशिका के प्रकाशन एवं स्वास्थ्य कोष के गठन पर विचार करने पर जोर दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री ओंकारमल अगरवाला** ने समाज में राजनैतिक सक्रियता की कमी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि असम के विधान सभा चुनाव में समाज के सदस्य विजयी हुए हैं – जनसंख्या के बल पर नहीं वरन् अपने काम के आधार पर। उन्होंने कहा कि जीतना

ही नहीं, राजनैतिक प्रक्रिया में सक्रियता से भाग लेना भी बड़ी बात है।

श्री मधुसूदन सीकरिया

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने राजनैतिक सक्रियता के प्रति प्रतिबद्धता को आवश्यक बताया। समाज सुधार के मुद्दों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि परिजन की मृत्यु पर पूर्वोत्तर में तीन दिन के शोक की परम्परा शुरू की गयी है।

श्री श्याम सुंदर अग्रवाल

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** ने कहा कि उत्कल सम्मेलन समाज के युवाओं और महिलाओं के साथ समन्वय का हर प्रयास कर रहा है। साथ ही, सम्मेलन के स्थापना दिवस – २५ दिसम्बर, को वरिष्ठ नागरिक दिवस, ८ मार्च को महिला सशक्तिकरण दिवस एवं ३ दिसम्बर को विश्व अक्षम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने शाखाओं से राष्ट्रीय नेतृत्व के समन्वय और राष्ट्रीय पदाधिकारियों के प्रांतीय दौरों को आवश्यक बताया।

श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला** ने कहा कि बिहार सम्मेलन संगठन-विस्तार पर तेजी से काम कर रहा है। प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा शाखाओं के दौरे एवं अन्य कार्यक्रम तत्परता से किये जा रहे हैं। बिहार सम्मेलन 'आडम्बर हटाओ कार्यक्रम' पर सक्रियता से कार्य कर रहा है, कुछ सफलता भी मिली है।

श्री गोवर्धन गाड़ोदिया

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन गाड़ोदिया** ने कहा कि झारखंड में जहाँ शाखा नहीं है, वहाँ शाखा खोलना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने झारखंड सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण देते हुए कहा कि सम्मेलन को समाज की अन्य शाखाओं के साथ मिलकर एवं उनके छाते के रूप में काम करना चाहिए।

श्री दिनेश कुमार जैन

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश कुमार जैन** ने कहा कि मारवाड़ी युवक-युवतियों के रोजगार हेतु उनके एवं रोजगारदाताओं के बीच सम्मेलन 'एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज' की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की आवश्तकताओं के अनुसार सम्मेलन को इंटरनेट के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

श्री सत्यनारायण अग्रवाल

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री सत्यनारायण अग्रवाल** ने कहा कि राजनैतिक सक्रियता एवं सभी को मतदान हेतु उत्प्रेरित करने तथा युवकों और महिलाओं को सम्मेलन के कार्यक्रमों से जोड़ने का यथासंभव प्रयास होना चाहिए।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने कहा कि पूरे राष्ट्र के सदस्यों को राष्ट्रीय कार्यालय से सदस्यता प्रमाणपत्र देना एक अच्छी पहल होगी।

श्री बसंत कुमार मित्तल

गत ९ अप्रैल २०१६ को आयोजित सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान 'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' से नवाजे गए वरिष्ठ राजस्थानी साहित्यकार **डॉ. किरणचन्द नाहटा** के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री रतन शाह**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका**, **श्री सांवरलाल शर्मा**, **श्री देवकुमार सराफ** आदि ने भी अपने विचार संक्षेप में रखे।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी**, **सर्वश्री गौरीशंकर अग्रवाल**, **नंदलाल सिंघानिया**, **नंद किशोर अग्रवाल**, **कृष्ण कुमार डोकानिया**, **उमेश केडिया**, **गोपीराम धुवालिया**, **अशोक कुमार तुलस्यान**, **राम निवास शर्मा (चोटिया)**, **राजेन्द्र राजा**, **वासु सराफ**, **ज्ञानप्रकाश अग्रवाल**, **महेन्द्र कुमार गुप्ता**, **मधुसूदन सप्फर**, **राजेन्द्र खंडेलवाल**, **नारायण प्रसाद अग्रवाल**, **अजीत सहेवाल**, **राम कैलाश गोयनका**, **जगदीश प्रसाद पाटोदिया 'चाँद'**, **गोविन्द अग्रवाल**, **ओम प्रकाश अग्रवाल**, **संदीप सेकसरिया**, **प्रेमचंद सुरेलिया**, **विनोद कुमार अग्रवाल**, **घनश्यामदास अग्रवाल**, **घनश्याम सोभासरिया**, **सत्यनारायण पोद्दार** सहित गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।★★★

बैठक में उपस्थित सदस्यगण

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक : २१ मई २०१६

वैवाहिक समारोहों में मद्यपान के बढ़ते प्रचलन पर सम्मेलन द्वारा चिन्ता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लादराय अग्रवाल** ने संगठन की आवाज को मजबूत बनाने के लिये सभी सदस्यों से और अधिक लोगों को सम्मेलन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैवाहिक समारोहों में बढ़ता मद्यपान का प्रचलन गंभीर सामाजिक बुराई है।

इस मुद्दे पर निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, डॉ. विठ्ठलदास मूंधड़ा, सर्वश्री संतोष रूँगटा, प्रह्लादराय गोयनका, डॉ. जुगल किशोर सराफ, नारायण प्रसाद डालमिया, दीनदयाल गुप्ता, विश्वनाथ सेक्सरिया, प्रादेशिक अध्यक्ष बिजय डोकानिया, बनवारीलाल मित्तल, राजेन्द्र खण्डेलवाल, धरमचन्द अग्रवाल, रवीन्द्र चमड़िया, द्वारका प्रसाद गनेरीवाल, सम्पतमल बच्छावत, भानीराम सुरेका, सुदेश अग्रवाल, नन्दलाल सिंहानिया** सहित अन्य सदस्यों ने समर्थन करते हुए इसके लिये युवा पीढ़ी में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया। इसके धार्मिक पक्ष को भी सबके सामने रखने पर जोर दिया गया।

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने गत दिवसों के कार्यकलापों से सबको अवगत कराया। वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोंथलिया** ने वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सौंपे गये अखिल भारतीय समिति के चुनाव सम्पन्न करवाने की प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री **श्री दिनेश जैन** ने समाज के बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने की दिशा में कदम उठाने की रूपरेखा बताई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, संयुक्त मंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, पूर्व महामंत्री श्री रतन शाह, सर्वश्री बिजय गुजरवासिया, ब्रह्मानन्द अग्रवाल, भगवती प्रसाद जालान, ऋषि बागड़ी, सुरेश कुमार जालान, सांवरलाल शर्मा, देवकिशन मोहता, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, रामकैलाश गोयनका, प्रेमचंद सुरेलिया, दिनेश सेकसरिया, इन्द्र चन्द्र गुप्ता, विश्वनाथ सेकसरिया, पवन कुमार जालान, देवकुमार सराफ, ओमप्रकाश अग्रवाल, नन्द किशोर अग्रवाल, सत्य नारायण अग्रवाल, प्रह्लाद राय गोयनका, राजकुमार गुप्ता, श्याम लाल डोकानिया, सुभाष मुरारका** सहित गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में पदाधिकारी/सदस्यगण।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठकः २६ मार्च २०१६

राष्ट्रीय अधिवेशन पर हुई चर्चा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक २६ मार्च २०१६ को सम्मेलन के नये कार्यालय (४बी, डकबैक हाउस, ४१ शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) कोलकाता में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए **श्री रामअवतार पोद्दार** ने ९-१० अप्रैल २०१६ को आयोजित २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मेलन स्थापना के ८०वें वर्षगाँठ समारोह से संबंधित कार्यक्रमों के विषय में बताया और सभी से ९ अप्रैल २०१६ को आयोजित की गयी विषय निर्वाचनी समिति की बैठक में भाग लेने का अनुरोध किया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (८ अगस्त २०१५, कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सम्मेलन के क्रियाकलापों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने सभी से राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता हेतु यथासंभव प्रयास का अनुरोध किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने नये कार्यालय के क्रय में स्व. विश्वम्भर दयाल सुरेका की केन्द्रीय भूमिका एवं योगदान की चर्चा की।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने अधिवेशन स्थल पर फोटो गैलरी लगाने एवं मारवाड़ी साहित्य की पुस्तकें रखने की सलाह दी।

बैठक के अंत में धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए निर्वाचित **राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सम्मेलन के मुखपत्र 'समाज विकास' में प्रकाशित सामग्री के स्तर में सुधार लाने की आवश्यकता बतायी।

With Best Compliments From:

BISHWANATH LOHIA SEVA VIKAS TRUST

171/1, J N Mukherjee Road,
Howrah-711106, W.B.
Phones: 26557964/5475
Fax: (91 33) 26551964

मंत्रणा बैठक : ११ जून २०१६

समान विचार वाली संस्थाओं को साथ लाने का प्रयास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** की पहल पर गत ११ जून २०१६ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन के सभागार में सम्मेलन एवं कोलकाता के मारवाड़ी संस्थाओं के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों के साथ एक मंत्रणा बैठक का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम बैठक में सबका स्वागत करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कहा कि हम सब आपस में मिल रहे हैं, इस बात की बहुत खुशी है। समाज की विभिन्न संस्थाएँ शरीर के विभिन्न अंगों की तरह हैं, इन्हें सम-विषम परिस्थितियों में एक साथ होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक साथ मिलकर काम करने के लिये सम्मेलन एक आदर्श मंच है। संगठित होकर काम करने को जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि हम मिलकर काम करेंगे, तभी सबको सही संदेश जायेगा। उन्होंने समाज सुधार को एक निरंतर प्रक्रिया बताया और कहा कि इसके लिये सबका साथ आना जरूरी है। सम्मेलन के विभिन्न कार्यक्रमों यथा उच्च शिक्षा हेतु जरूरतमंद एवं मेधावी छात्र-छात्राओं की मदद, आडम्बर पर नियंत्रण, विवाह-शादी में मद्यपान पर रोक आदि के विषय में बताते हुए श्री अगरवाला ने कहा कि सम्मेलन निकट भविष्य में विवाहयोग्य मारवाड़ी युवक-युवतियों का डाटाबैंक बनाने, युवक-युवतियों के रोजगार में मदद करने, उद्यमिता विकास में सहयोग करने, आपसी झगड़ों विशेषकर दाम्पत्य समस्याओं में मध्यस्थता, आदि जैसे कार्यक्रम हाथ में लेगा। बैठक में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने इन कार्यक्रमों में साथ काम करने के विषय पर सहर्ष सहमति जताई।

श्री अगरवाला ने बताया कि साथ काम करने के लिये इच्छुक संस्थाओं हेतु सम्मेलन की संस्थागत सदस्यता का प्रावधान भी सम्मेलन के संविधान में है। इससे सम्बंधित विवरण भी सभी को बताया गया। विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श के पश्चात्, संस्थाओं के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों ने एक साथ मिलकर काम करने को सर्वोत्तम बताया एवं सम्मेलन की सम्बद्धता ग्रहण करने के विषय पर उत्साहपूर्वक सहमति जतायी।

बैठक में **झुंझुनुं प्रगति संघ** से **श्री विनोद कुमार नांगलिया** (अध्यक्ष), **नवलगड़ नागरिक समिति** से **श्री पवन कुमार पाटोदिया** (सचिव) एवं **श्री ताराचंद पाटोदिया, गुढ़ा गौड़जी वेलफेयर सोसायटी** से **श्री नवलकिशोर परसरामका** (अध्यक्ष), **गंगाशहर नागरिक परिषद** से **श्री बिमल सिंह सेठिया** (अध्यक्ष), **श्री मदनलाल मरोटी** (सचिव), **श्री सुरेन्द्र कुमार सामसुखा** एवं **श्री गौतम चोपड़ा**, **जोधपुर एसोसियेशन** से **श्री ललित कुमार चौधरी** (अध्यक्ष), **नागौर नागरिक परिषद** से **श्री श्रीगोपाल लाखोटिया** (अध्यक्ष), **श्री अमरचंद जैन** (सचिव) एवं **श्री सुरेश कुमार बाँगाणी** ने शिरकत की। सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका**, चैयरमैन, वित्तीय उपसमिति **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** एवं **श्री दिनेश कुमार जैन** तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य **श्री अमित सरावगी** उपस्थित थे। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

समाचार-सार

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के नये पदाधिकारी

श्रीमती मीना गुप्ता

श्रीमती सुषमा अग्रवाल

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के १ अप्रैल २०१६ से ३१ मार्च २०१८ तक के 'संस्कार सत्र' हेतु **श्रीमती मीना गुप्ता** (पटना) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं **श्रीमती सुषमा अग्रवाल** (पटना) ने राष्ट्रीय सचिव का पदभार ग्रहण किया है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक बधाई!

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद में सम्मेलन की शाखा का गठन

गत २७ मार्च २०१६ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद में सम्मेलन की शाखा का गठन किया गया। श्री अरूण कुमार सराफ फरीदाबाद शाखा के संस्थापक अध्यक्ष एवं श्री प्रमोद टिबड़ेवाल संस्थापक महामंत्री होंगे।

श्री अरूण कुमार सराफ

श्री प्रमोद टिबड़ेवाल

शोक सभा

मारवाड़ी सम्मेलन ने दी मोहनलाल तुलस्यान एवं जुगल किशोर जैथलिया को श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत २ जून २०१६ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन सभागार में एक शोक सभा आयोजित कर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **स्व. मोहनलाल तुलस्यान** को श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लादराय अगरवाला** ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि देने के बाद कहा कि श्री तुलस्यानजी ने लगातार ६ वर्षों तक बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज को दिशा दी। वे जहाँ भी ओर जिस पद पर भी रहे, उसका बखूबी निर्वहन किया। जिस काम में लग जाते थे, उसे पूरा करके ही सांस लेते थे। यह उनकी कार्यशैली एवं दक्षता की परिचायक थी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि श्री तुलस्यान में एक खूबी थी कि वे सबको साथ लेकर चलते थे। निवर्तमान अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि वे कर्मठ व्यक्तित्व के धनी थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला द्वारा स्व. मोहनलाल तुलस्यान को पुष्पांजलि।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, पूर्व महामंत्री **सर्वश्री रतन शाह** व **भानीराम सुरेका**, **आत्माराम सोंथलिया**, प. बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** व महामंत्री **श्री सत्यनारायण अग्रवाल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, सर्वश्री **बाबूलाल धनानिया**, **गोपाल अग्रवाल**, **विश्वनाथ केडिया**, **रतनलाल अग्रवाल**, **द्वारिका प्रसाद गनेरीवाल**, **प्रेमचंद सुरेलिया**, **विनोद कुमार अग्रवाल**, **राम स्वरूप तुलस्यान**, **भागीरथ प्रसाद तुलस्यान**, **सांवरमल तुलस्यान**, **राजेश तुलस्यान**, **सीताराम शर्मा**, **मनमोहन गाड़ोदिया**, **रमेश कुमार बुवना**, **राधाकिशन सफ्फर**, **प्रकाश जैन**, **गोविन्द प्रसाद केजरीवाल**, **राजेन्द्र राजा**, **प्रमोद गोयनका**, **रामकर्ण गुप्ता**, **अनिल पोद्दार** एवं **पी.के. लिल्हा** सहित गणमान्य सज्जनों ने भी अपनी पुष्पांजलि व भावांजलि दी।

शोक प्रस्ताव का वाचन राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शोक प्रस्ताव की प्रति स्व. तुलस्यान के पुत्र **श्री नरेन्द्र तुलस्यान** को सौंपी। संचालन राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने किया। अंत में स्व. तुलस्यान के अलावा कर्मयोगी स्व. जुगल किशोर जैथलिया को भी श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।

प्रांतीय गतिविधियाँ

झारखण्ड सम्मेलन : कार्यकारिणी समिति की बैठक

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक २९ मई २०१६ को राँची स्तित दिगम्बर जैन भवन के सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के प्रान्तीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने की। बैठक में राँची के अलावा झारखण्ड के सभी जिलों से जिलाध्यक्ष, मंत्री एवं कार्यकारिणी के सदस्य आमंत्रित थे। श्री गाड़ोदिया ने सभी का स्वागत करते हुये कहा कि जिस क्षेत्र में भी हमने प्रयास किया है कड़ी मेहनत व लगन की वजह से सफलता मिली है। उन्होने कहा कि हर्ष का विषय है कि संघ लोक सेवा आयोग २०१५ की परीक्षा में झारखण्ड में समाज के चार युवकों ने सफलता प्राप्त की है।

बैठक में समाज के इन चारों युवाओं सर्वश्री **हर्ष चिरानिया** (चाईबासा), **नवीन अग्रवाल** (जमशेदपुर), **आदर्श अग्रवाल** (जमशेदपुर) एवं **अंकित जालान** (राँची) का सम्मान किया गया। सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने गत १० महीनों के कार्यों का विवरण सभापटल पर रखा। उपाध्यक्ष कोष **श्री नन्दकिशोर पाटोदिया** ने इस वर्ष के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। संविधान संशोधन समिति के संयोजक **श्री रतन लाल बंका** एवं सह-संयोजक **श्री कमल केडिया** ने इस विषय पर प्रगति की जानकारी दी।

मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष **श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया**, **श्री भागचन्द पोद्दार**, **श्री विनय सरावगी**, **श्री राजकुमार केडिया** के अलावा **श्री कृष्ण कुमार पोद्दार**, **श्री धर्मचन्द बजाज**, **श्री श्याम तोरका**, **श्री उमेश शाह**, **श्री पवन अग्रवाल**, **श्री शिव हरि बंका** ने अपने विचार रखे।

बैठक का संचालन का **श्री ओम प्रकाश प्रणव** एवं धन्यवाद ज्ञापन **श्री धर्मचन्द जैन रारा** ने किया।

सम्मानित युवकों के साथ झारखण्ड सम्मेलन के पदाधिकारीगण।

मारवाड़ी होने का मतलब : व्यापार-कुशलता, मेहनत और ईमानदारी

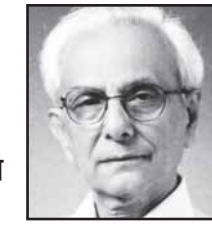

– राजेन्द्र केडिया

एक शताब्दी से भी अधिक समय से मारवाड़ी शब्द का मतलब अच्छे-बुरे 'भिन्न-भिन्न' अर्थों में लगाया जाता रहा है। किसी समय राजस्थान के विशिष्ट अंचल 'मारवाड़' से उठे हुए सभी धर्म और पेशो के लोगों को मारवाड़ी कहा जाता था। कालांतर में 'मारवाड़ी' शब्द की व्यापकता बढ़ती गयी। कभी बृहद राजपुताने में रहे, वर्तमान राजस्थान की सीमा से जुड़े-सटे हरियाणा, गुजरात और पंजाब के प्रदेशों के वैश्य, ब्राह्मण आदि को मारवाड़ी कहा और समझा जाने लगा। मारवाड़ी शब्द की इस व्यापकता के पीछे इस क्षेत्र से उठे लोगों की कार्यक्षमता, मेहनत, साहस और ईमानदारी ही प्रमुख कारण थे। आज मारवाड़ी शब्द दुनिया भर में जिस वर्ग की पहचान है और जिसकी बदौलत विख्यात है, वह राजस्थान और हरियाणा का वैश्य-व्यवसायी वर्ग ही है जो उद्योग और व्यवसाय के अलावा विभिन्न पेशों और कार्यों में दक्षता के साथ जुड़ा है। इस विशाल व्यावसायी समाज के लोगो में अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन, ओसवाल, खण्डेलवाल, भिवानी और हरियाणा के वे सभी लोग शामिल हैं जो देश-विदेश में चाहे कहीं भी रहते हैं, मगर मारवाड़ी के रूप में जाने और पहचाने जाते हैं। मारवाड़ अथवा राजस्थान की धरती की तासीर रही है कि वहाँ रहने और बसने वाले दूसरे धर्म और राष्ट्रीयता के लोगों को भी मारवाड़ी कहा जाता था। हाल तक राजस्थान के मूल निवासी मुसलमानों की वेशभूषा, बोली, आदि को देखकर यह कहना कठिन होता था कि वे मुसलमान अधिक हैं अथवा मारवाड़ी अधिक हैं। आज मारवाड़ी शब्द का पर्याय राजस्थानी हो गया है। राजस्थानी भाषा, राजस्थानी संस्कार और राजस्थानी परंपरा उनकी पहचान है। मारवाड़ी कहलाने से उनको कतई परहेज नहीं है, फिर भी राष्ट्रीयता के लिहाज से वे अपने को राजस्थानी अथवा भारतीय कहलाना ज्यादा पसंद करते हैं।

विचार करते हैं कि वे कौन सी बातें थीं, जिन्होंने मारवाड़ियों को एक गौरवपूर्ण विशाल समाज के रूप में प्रतिष्ठित किया। इसके लिए एक नजर इतिहास पर डालनी होगी। लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व मारवाड़ी वैश्य अपने व्यापारिक कौशल, असीम साहस और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते थे। अपनी साख और व्यवहार-कुशलता के बल पर कौड़ी से करोड़ों कमाना जानते थे। मुगल काल में हिन्दुस्तान के अंदरूनी व्यापार पर ही नहीं बल्कि चीन से लेकर ईरान तक के विदेशी व्यापार पर मारवाड़ी व्यापारियों का वर्चस्व था। राजा-बादशाहों के मंत्री, सलाहकार, खजांची, कोठारी यहाँ तक कि सेनापति भी कई मारवाड़ी वैश्य हुए हैं। राजपुताने के राजाओं के बैंकर और सहायक कई मारवाड़ी घरानों के वंशज आज भी मौजूद हैं। सम्पन्न और सक्षम मारवाड़ी सेठ-साहूकारों के उल्लेखों से इतिहास भरा है। उस काल में प्रचलित लोक कहावतों, यथा 'बनी बनावे बाणियो', 'ओसवाल भोपाल', 'और मंत्री सब कीजिये, एक कीजिये बाणिया', 'बिणज करै सो बाणियौ', मारवाड़ जूतां में मोहरां राखै' और 'बाणियौ कोढ़ी होवै पण कलंकी कोनी होवै' आदि में मारवाड़ी वैश्यों की परंपरा और व्यापार-कुशलता का परिचय मिलता है।

अंग्रेजों के आगमन और उनकी कूटनीति के कारण राजपुताने में पड़ते, रोज-रोज के अकालों ने मारवाड़ियों का पारंपरिक व्यापार-व्यवसाय छिन्न-भिन्न कर दिया। राजपुताने का व्यापारी वर्ग रोटी-रोजी और नये अवसर तलाशने के लिए दूर दिसावरों में जाने के लिए विवश हो गया। लोटे, डोरी और कम्बल के सहारे हजारों मील दूर जाकर उसने अपने धैर्य, परिश्रम और कार्यकुशलता के सहारे अपना भाग्य निर्माण किया। अंग्रेज हुक्मरानों ने मारवाड़ियों की व्यापार-कुशलता और विश्वसनीयता को पहचान कर उनको अपने व्यापारिक कार्य-कलापों में सहायक बनाया। अपनी भाग्यरेखाएँ बदलते हुए मारवाड़ी समाज धीरे-धीरे देश के उद्योग और व्यावसाय पर किस कदर छा गया, यह इतिहास की बात है, सब जानते हैं।

मारवाड़ी होने का मतलब व्यापार-कुशलता, मेहनत और ईमानदारी होता है, इसे प्रमाणित करते हुए मारवाड़ी सपूतों ने आजादी के पूर्व और उसके तुरंत पश्चात् के लगभग हर उद्योग और व्यावसाय में अपनी गहरी पैठ बना ली और धीरे-धीरे वे देश के उद्योग और व्यावसाय पर छा गये। अमेरिका की प्रसिद्ध साप्ताहिक पत्रिका 'टाइम मैगजीन' में लिखा था कि 'राजस्थान के मारवाड़ अंचल से निकलकर भारत भर में फैले मारवाड़ी, आज व्यावसाय तथा आर्थिक जगत की प्रमुख शक्ति वन गये हैं।' बिड़ला, बांगड़, पोद्दार, गोयनका, बाजोरिया, सिंघानिया, डालमिया, बजाज, खेतान आदि परिवार औद्योगिक घराने कहलाने लगे। जूट मीलें, कपड़ा मीलें, लोहे और चीनी के कारखाने, बैंक, बीमा सहित अन्य उद्योगों एवं आयात-निर्यात में इन घरानों का वर्चस्व स्थापित हो गया। मारवाड़ियों की व्यापार-कुशलता और उद्योग संचालन की उनकी क्षमता ही वह वजह है जिसके चलते आज विदेशों में मारवाड़ी उद्योग स्थापित कर रहे हैं और बड़े-बड़े स्थापित विदेशी उद्योगों का अधिग्रहण करने में किसी से पीछे नहीं हैं।

दूसरी बात जो 'मारवाड़ी' होने का गौरव प्रदान करती है वह है शिक्षा, साहित्य, ज्ञान-विज्ञान, अध्ययन एवं अध्यव्यसाय में गहन अभिरुचि। मारवाड़ियों ने स्वयं को सिर्फ उद्योग और व्यावसाय तक ही सीमित नहीं रखा। शिक्षा, समाजसेवा और देशभक्ति के क्षेत्र में भी वे अग्रणी रहे। सेठ गोविन्ददास, पं. गौरीशंकर हीराचंद ओझा, श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार, श्री झावरमल शर्मा, श्री वैद्यनाथ केडिया, श्री बेणीशंकर शर्मा, श्री जमुनालाल बजाज, श्री सीताराम सेकसरिया, श्री हरदत्तराय सुगला, श्री ईश्वरदास जालान, श्री ब्रजलाल बियानी, श्री कालीप्रसाद खेतान, श्री बंसतलाल मुरारका, श्री कन्हैयालाल सेठिया, श्री गौरीशंकर डालमिया (जसीडीह), आदि मारवाड़ी सपूतों की लंबी सूची है, जिन्होंने शिक्षा, समाजसेवा, देशसेवा, साहित्यसेवा और डाक्टरी तथा कानूनी क्षेत्रों में मारवाड़ियों का नाम उज्ज्वल किया है। इनसे प्रेरणा लेकर आज देश और दुनिया भर में मारवाड़ी युवक-युवतियों की नयी पीढ़ी ज्ञान-विज्ञान के अध्ययन एवं शोध के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन कर रही हैं। इनमें से कई ऐसे हैं जिनके अपने पारिवारिक बड़े-बड़े स्थापित उद्योग हैं, परंतु उनकी रुचि उद्योगों में नहीं होकर ज्ञान-विज्ञान के शोध कार्यों में है। आश्चर्य नहीं होता है जानकर कि आज विश्व भर में तकनीकी और आई. टी. क्षेत्र में मारवाड़ी वैज्ञानिकों और व्यवसायियों का नाम सबसे आगे है।

मारवाड़ी नाम को नया अर्थ और गौरव प्रदान करने वाली जो सबसे प्रमुख बात है, वह है मारवाड़ियों का धर्म, समाज और कला के क्षेत्र में असीम अनुराग होना। दान-धर्म और समाज के हित में सदैव

(शेष पृष्ठ २९ पर)

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

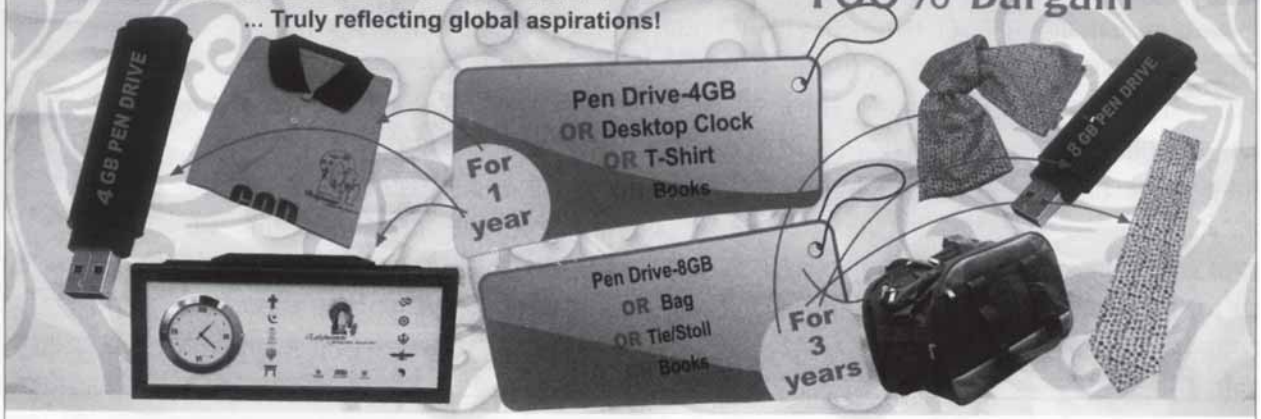

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

20 YEARS OF SERVICE

Products and Services

Advisory Services

Wealth Management

Mutual Fund

Corporate Fixed Deposit

Bonds

- PSU Taxable and Tax free Bonds
- Government Securities

Public & Private Issue

- Equity IPO
- Debt IPO

Debt Syndication Services

Debt Syndication Services

Trade Finance

- Buyers Credit
- Suppliers Credit
- L/C Discounting

Structure Finance

- Loan against property
- Loan against shares
- Loan against bonds

Equipment Finance

- Construction Equipment
- Medical Equipment
- IT equipment

Project Finance

Working Capital Finance

Commercial Paper

Broking & Trading Services

Equity-NSE, BSE

Currency-NSE, BSE, MCX-SX

Commodity-MCX
(through AUM Commodity Services Pvt. Ltd.)

Insurance Broker
(through AUM Bima Suraksha Broking Pvt. Ltd.)

- Life Insurance
- General Insurance

Real Estate Broking

- Rental Income
- Corporate Leasing
- Property Buying-Selling

Physical Commodity Broking

Office : 5, LOWER RAWDON STREET, "AKASHDEEP", KOLKATA-700020 • T : +91 33 2486 1040-43 • F : +91 33 2476 0191 • W : www.aumcap.com

AUM Capital Market Pvt Ltd

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectcrs :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI
BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Projec Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO - Equipment Bank | Insurance Broking

वैचारिक परिवर्तन का महत्व

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

गांधीजी ने कहा था, **"अपने विचारों पर ध्यान रखो"**। विचारों से शब्द बनते हैं। विचारों के अनुसार व्यवहार एवं कार्य निष्पादित होते हैं। व्यवहार से आदत बनते हैं। आदतों से मूल्यबोध बनते हैं एवं मूल्यबोध से हमारे जीवन का गंतव्य निर्धारित होगा। विचारों के महत्व एवं उसकी शक्ति को पहचानना अति आवश्यक है। **विचार एक बीज की तरह होता है। एक बीज में विशाल वृक्ष छिपा रहता है। बीज को जमीन मिल जाय, खाद-पानी एवं धूप मिल जाय तो बीज वृक्ष बन सकता है। उसी प्रकार विचारों को अगर लगन, निष्ठा और उद्यम का आधार मिल जाय तो क्रांतिकारी परिणाम होते हैं।**

समाज में सम्पन्नता बढ़ी है। इसके बावजूद गरीब एवं मध्यम श्रेणी के व्यक्तियों की संख्या कम नही है। मारवाड़ी समाज ने अपनी जिन खूबियों के कारण पूरे विश्व में अपना स्थान बनाया था, उन्हीं से हम दूर होते जा रहे हैं। हमारा समाज कई सामाजिक व्याधियों से आज ग्रसित है। यही कारण है कि मार्यादाएँ भंग हो रही हैं। मानवीय मूल्यों की अनदेखी करते हुए हम असंवेदनशील होते जा रहे हैं। भौतिक पदार्थों की दौड़ में हम रिश्तों की नजाकत, धैर्य, संयम जैसे गुणों को भूलते जा रहे हैं। फलस्वरूप, परिवार में टूटन, तलाक के बढ़ते मामले, वृद्धों एवं जरूरतमंदों की अवमानना, फिजूलखर्ची, आडम्बर अब आम बात हो गई है। मद्यपान, विशेषकर मांगलिक अवसरों पर, एक चिंता का विषय है। हम जानते हैं कि अगर जहाज में सूराख हो जाय तो जितनी जल्दी उसे बंद करेंगे, उतना ही नुकसान कम होगा एवं मेहनत भी कम होगी। ठीक उसी प्रकार समाज की समस्याएँ आज हमारे सामने मुँह बाये खड़ी हैं। समय रहते अगर हम नहीं चेतेंगे तो समस्या बढ़ती जायेगी। इन समस्याओं का समाधान एकमात्र वैचारिक क्रांति से ही संभव है। इसके लिये प्रयास हमें स्वयं को ही करना पड़ेगा। कवि ने ठीक ही कहा है –

सूरज को क्या पड़ी जो दस्तक देकर तुम्हें पुकारे
गर्ज पड़े सौ बार तुम्हारी, खोलो अपने बंद किवाड़े।
ठिठुरी उदासीनता ओढ़े सोया वातावरण जगाओ
नई रोशनी गले लगाओ, आदर सहित कहीं बैठाओ।

हमारी वर्तमान जीवनपद्धति, हमारा खान-पान, हमारी वृत्तियाँ एवं हमारे संकुचित सोच हमें भोगवाद एवं तनाव की ओर ढकेल रहे हैं। समाज स्वकेन्द्रित हो गया है। समाज रूग्णावस्था में है। हमारे दैनन्दिन जीवन में राजस्थानी भाषा का प्रयोग नगन्य होता जा रहा है। आशंका है कि आनेवाली पीढ़ी को राजस्थानी भाषा का ज्ञान बिल्कुल नहीं रहेगा। ऐसी परिस्थिति में राजस्थानी भाषा का क्या महत्व रहेगा?

समाज में पैसा आ रहा है, चाहे किसी भी प्रकार से आये। धार्मिक अनुष्ठान, मंदिर निर्माण, सेवाकार्य में बढ़ोतरी हो रही है। **समाज दूसरों की तो सोचता है पर अपने से बेखबर है।** क्या हम इसी तरह मूकदर्शी बने रहेंगे? आखिर कब तक? समाज को स्वस्थ बनाने के लिए सही कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है। उपदेश के साथ-साथ आचरण भी आवश्यक है। इसके लिए धन की आवश्यकता नहीं। वेदों में भी कहा गया है – **यदभावम तत्भवति। जो तुम सोचते हो, तुम वही बनते हो।** हम आज जो भी हैं, वह हमारे प्रदूषित सोच के कारण ही है। समाज को स्वस्थ करने के लिए हमें हमारे सोच में बदलाव लाना होगा। किसी ने ठीक ही कहा है :

सोच को बदलो सितारे बदल जायेंगे, नजर को बदलो, नजारे बदल जायेंगे
कश्तियाँ बदलने की जरूरत नहीं, दिशाओं को बदलो, किनारे बदल जायेंगे।

अक्सर यह कहा जाता है कि वैचारिक परिवर्तन का महत्व सेवाकार्यों के महत्व से कहीं कम है। मेरे विचार में वैचारिक परिवर्तन एक महती सेवा है एवं अतुलनीय है। वैचारिक परिवर्तन तात्कालिक लाभ नहीं देता। समय सापेक्ष है पर उसका प्रभाव दूरगामी एवं स्थायी होता है। **विकारों एवं अस्वस्थता को दूर करने के लिये की गई सेवा से अधिक प्रभावशाली है विकारों से स्वयं को दूर रखना।** यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम अपने अवगुणों के विषय मे सोचते है एवं दूर करने के बारे में सोचते हैं। आशा है समाज इस विषय में जागरूक होगा। आह्वान-स्वरूप मैं कवि की पक्तियाँ उद्धृत करना चाहूँगा –

धरे हाथ पर हाथ न बैठो कोई नया विकल्प निकालो
जंग लगे हौसले माँज लो बुझा हुआ पुरुषार्थ जगा लो।
उपवन के पत्ते-पत्ते पर लिख दो युग की नई ऋचाएँ
वे ही माली कहलायेंगे जो हाथों में जख्म दिखाएँ।

मारवाड़ी होने का मतलब (पृष्ठ २५ का शेषांश)

तत्पर रहने वाला मारवाड़ी समुदाय हमेशा से अपनी आय का एक अंश ऐसे कार्यो के लिये अलग करता आया है। मारवाड़ियों द्वारा धमार्थ बनाये गये मंदिर, धर्मशाला, कुएँ ही नहीं, स्कूल-कॉलेज और अस्पताल देश भर में जगह-जगह आज भी देखे जा सकते हैं। राजस्थान के गाँव और शहरों में बनी हवेलियाँ और मंदिर इस समाज के कला-प्रेम का जीता-जागता उदाहरण हैं। समाज में प्रचलित कुरीतियों को दूर करने, समाज के कमजोर लोगों की सहायता करने एवं समाज की उन्नति के लिए मारवाड़ियों के संगठन और उनकी संस्थाएँ ग्राम और प्रादेशिक स्तर पर ही नहीं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हैं।

अंत में एक बात। मारवाड़ी सिर्फ आर्थिक रूप से सम्पन्न और उन्नत वर्ग ही नहीं है, मारवाड़ियों में मध्यम वर्ग का भी एक बड़ा समुदाय है, जो छोटे-छोटे व्यापार, पेशों और साधारण नौकरियों में संलग्न है। यह वह समुदाय है, जो आर्थिक रूप से संघर्षरत होते हुए भी अपने संस्कारों, अपनी संस्कृति और परंपरा को अक्षुण्ण बनाये हुए है। कोलकाता का बड़ाबाजार क्षेत्र जिसे मिनी राजस्थान कहा जाता है, इसका उदाहरण है। दो शब्दों में तात्पर्य यही है कि मारवाड़ी होना गर्व की बात है। ★ ★ ★

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री सुरेश कुमार बजाज
५०२, मंगलमूर्ति हाउस
रानी बागान, हरमू रोड
राँची-८३४००१, झारखंड
मो. - ९४३११३८२४९

श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला
मे. विजन स्पंज लायरन प्रा. लि.
आनन्दलोक, २२७, ए.जे.सी.
बोस रोड, कोलकाता - २०
मो. - ९३३१०१७४१६

श्री दिनेश कुमार जैन
मे. वाहुबली रोडवेज
द्वितीय तल, रूम नं.-५
४, मंदिर स्ट्रीट, कोलकाता - ७३
मो. - ९८३०१६६१४९

श्री देव कुमार सराफ
मे. आनन्दलोक
डी.के. ७/३, साल्ट लेक
कोलकाता - ७०००९१
मो. - ९८३६१५७०१७

श्री दीनदयाल गुप्ता
मे. डालर इंडस्ट्रीज लि.
३२, जवाहरलाल नेहरू रोड
ओम टावर, पाँचवा तल
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३६१११११९७

श्री प्रह्लाद राय गोयनका
मे. ओंकारमल शंकरलाल
१६१, रवीन्द्र सरणी
ओंकार मार्केट, कोलकाता - ७
मो. - ९८३१०९४६४०

श्री ऋषि बागड़ी
मे. रिशवीका इंवेस्टमेंट्स
ए-६, तीसरा तल,११०, हाजरा रोड,
कोलकाता - ७०००२६
मो. - ९८३००६५६७०

श्री विश्वनाथ सेक्सरिया
मे. जे.जी. होजियरी प्रा. लि.
५५, चौरंगी रोड
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३०१०८००९

श्री संतोष कुमार रूँगटा
मे. मदगुल पार्क प्रा. लि.
२०, बालीगंज सर्कुलर रोड
कोलकाता - ७०००१९
मो. - ९८३००३०२१०

श्री इंद्र चंद गुप्ता
मे. एस.के.डी.जे. ड्रीम हाउस प्रा. लि.
८, ऑरफनगंज मार्केट, खिदिरपुर
कोलकाता - ७०००२३
मो. - ९८३१००११२९

श्री धरम चंद जैन (मोदी)
मे. के.डी. साड़ी इम्पोरियम प्रा. लि.
२, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट
छठवाँ तल, कोलकाता - ७
मो. - ९८३१०३८६७०

श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल
मे. श्याम सेल एण्ड पावर लि.
५, सी.आर. एवेन्यू, कॉफी हाउस
द्वितीय तल, कोलकाता - ७२
मो. - ९८३१८१२६६६

श्री श्रवण कुमार अग्रवाल
मे. प्रोमिसिंग एक्सपोर्ट लि.
२२९, ए.जे.सी. बोस रोड, क्रिसेन्ट
टावर, द्वितीय तल, सुईट नं.-२ए,
कोलकाता - ७०००२०
मो. - ९८३१४४३९३६

श्री पवन कुमार मोदी
मे. के.डी. सारीज प्रा. लि.
५४, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट
कोलकाता - ७००००७
मो. - ९८३१०३८६७१

श्री जगदीश प्रसाद पोद्दार
मे. राधामणि इंडिया लि.
आनंदलोक (५ तल्ला) २२७,
ए.जे.सी बोस रोड, कोलकाता - २०
मो. - ९८३१०९२७२७

डॉ. विट्ठल दास मुंधड़ा
मे. सिम्प्लेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर लि.
२७, शेक्सपीयर सरणी
कोलकाता-७०० ०१७
मो. ९८३०० ६२८९६

श्री मुरारीलाल खेतान
मे. जामिनी इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
२०१/बी, महात्मा गाँधी रोड,
कोलकाता-७०० ००७
मो. ९८३१० ४७१४७

श्री कुंजविहारी अगरवाला
मे. रूपा एण्ड कं. लि.
मेट्रो टावर, ८ तल्ला,
१, ह्ची-मिन्ह सरणी, कोलकाता - ७१
मो. - ९८३०० ७९११३

श्री सुरेश कुमार जालान
मे. अनुभव फिनकॉम प्रा. लि.
स्टीफन हाउस, रूम ४७, ३ तल्ला
बी.बी.डी.बाग (ई) कोलकाता-१
मो. - ९८३०० ४४४२०

श्री दिनेश कुमार जैन
मे. ओम कैपिटल मार्केट प्रा.लि.
५, लोअर राउडन स्ट्रीट,
आकाशदीप, कोलकाता - २०
मो. - ९८३१० ०४५४२

श्री राजेश कुमार अग्रवाल
मे. सेन्चुरी चेरीटेबल ट्रस्ट
६, लायन्स रेंज
कोलकाता - ७००००१
मो. - ९८३०० २५५५६

श्री विद्यासागर अग्रवाल
मे. रिंगो फूड्स एण्ड बिवरेजेज
प्रा.लि.
३२, चौरंगी रोड, कोलकाता - ७१
मो. - ९३३१० ५३८९८

श्री नरेश कुमार अग्रवाल
मे. आस्था बिल्ड होम डेवलपर्स
प्रा.लि., इ-६० गिरधर मार्ग
मालवीय नगर, जयपुर-३०२०१७
मो. - ९४१३३ ४५७६४

श्री राज कुमार गुप्ता
मे. मुक्ति वर्ल्ड
९/३बी, गरियाहाट
कोलकाता - ७०० ०१९
मो. - ९८३१० १६६७७

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री ओम प्रकाश बिदावतका
मे. महालक्ष्मी टेक्सटाईल मिल्स
१४/३, आर.सी. राय स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ८१००८ ८१६०४

श्री देव किशन मोहता
मे. कोमेट टेक्नोकॉम (प्रा.) लि.
२९/१, कलावगान लेन, ब्लॉक-२
लेमन फ्रेश, हावड़ा-७१११०४
मो. - ९८३१० ४७०२३

श्री दिनेश कुमार सेकसरिया
मे. गोविन्द स्टील कं. लि.
२१९, चित्तरंजन एवेन्यू
कोलकाता - ७०० ००६
मो. - ९८३१० १०५८७

श्री अशोक कुमार तोदी
मे. लक्स इंडस्ट्रीज लि.
डी.एन. ५२, सेक्टर-५, साल्ट लेक,
कोलकाता-७०००९१
मो. - ९००७० २१०००

श्री प्रदीप कुमार तोदी
मे. लक्स इंडस्ट्रीज लि.
डी.एन. ५२, सेक्टर-५, साल्ट लेक,
कोलकाता-७०००९१
मो. - ९००७० २१००१

श्री राजेन्द्र प्रसाद पंसारी
मे. इसेल माइनिंग एण्ड इण्डस्ट्री लि.
१०, कैमक स्ट्रीट,
कोलकाता-७०० ०१७
मो. - ९८३०८ ७२३७७

श्री सम्पत मल बच्छावत
मो. पॉवर इलेक्ट्रोनिक्स
११, पोलक स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९८३१० ४४८५०

श्री बिपिन कुमार बजाज
मे. क्रेडेंट कैपीटल लि.
क्रेडेंट टॉवर, जे-१/१४, सेक्टर-५
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-९२
मो. - ९८३०० ४२३२१

श्री सुरेश कुमार पटनी
मे. इम्पेक्स मेटल एण्ड फेरो एलोस लि.
१३२ए, एस. पी. मुखर्जी रोड
कोलकाता - ७०० ०२६
मो. - ९८३१० ०५२८७

श्री निकुंज बिदावतका
मे. कॉस्मिक फेरो एलोस लि.
४/१, मिडलटन स्ट्रीट, ४ तल्ला
कोलकाता - ७०० ०७१
मो. - ९९०३४ ०००४२

श्री सरोज कुमार अग्रवाल
मे. मामराज अग्रवाल फाउंडेशन
पी-१०, न्यु हावड़ा ब्रिज एप्रोच
रोड, अमर भवन, कोलकाता-१
मो. - ९८३०० ३७२७९

श्री निर्मल कुमार अगरवाला
मे. मामराज अग्रवाल फाउंडेशन
पी-१०, न्यु हावड़ा ब्रिज एप्रोच
रोड, अमर भवन, कोलकाता-१
मो. - ९८३०० २१३०४

श्री राजेश कुमार अग्रवाल
मे. गणगणपति व्यापार प्रा.लि.
गणपति कैटर्रस, ४ए, शॉर्ट स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ०१६
मो. - ९८३०० ९४०३४

श्री अशोक कुमार जैन
मे. कीर्ति ग्रुप
१८/१. एम.डी. रोड, रुम ८३
५ तल्ला, कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९८३१० ०८२९८

श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल
मे. सृजन रियलटी प्रा.लि.
३६/१ए, लाला लाजपत राय सरणी
कोलकाता - ७०० ०२०
मो. - ९८३६४ ६९९६९

श्री परमेश्वरदास अग्रवाल
मे. सिंघल इन्टरप्राइजेज प्रा.लि.
३०३, सेंचुरी टावर, ४५, शेक्सपीयर
सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
मो. - ९८९३३ ०८२७४

श्री वी. डी. गर्ग
मे. एम.आर. खोरडिया सेवा न्यास
३३/१, एन.जी. रोड, ६३७/६३८
मार्शल हाउस, कोलकाता-१
मो. - ९८३१० १९३८४

श्री जय भगवान सांवरिया
मे. आर.के.एस. फिनट्रेड
पी-६, कलाकार स्ट्रीट, २तल्ला
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९८३०० २५३१०

श्री नरेश जालान
मे. रामकृष्ण फोरजिंस लि.
७२, शेक्सपीयर सरणी
कोलकाता - ७०० ०१७
मो. - ९८३६८ ५५५५५

श्री महावीर प्रसाद जालान
मे. रामकृष्ण फोरजिंस लि.
७२, शेक्सपीयर सरणी
कोलकाता - ७०० ०१७
मो. - ९८३०० ३३८७७

श्री गोपाल कुमार भालोटिया
मे. ट्रैको इन्टरप्राइजेज
१, हो-ची-मिन्ह सरणी, ९ तल्ला
कोलकाता - ७०० ०७१
मो. - ९८३०० ४९७००

श्री भगवान दास अग्रवाल
मे. कलकत्ता पेरूस लि.
१८, आर.एन. मुखर्जी रोड, ४ तल्ला
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९८३०० ६०७३३

श्री मुरारी लाल दीवान
मे. सरस्वती दीवान चेरीटेबल ट्रस्ट
१११, पार्क स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ०१६
मो. - ९८३१० ००३०६

श्री विजय बालासरिया
मे. श्री बालासरिया सिलवरवेयर
प्रा.लि., १. ए.जे.सी. बोस रोड,
कोलकाता - ७०० ०२०
मो. - ९८३०९ ७२७२१

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री मानकचन्द बालासरिया
मे. बालासरिया आई एण्ड हेल्थकेयर
२७, मौलाना अबुल कलाम आजाद रोड, अम्बिका पाइंट, हावड़ा-१०१
मो. - ९८३०० ५९५००

श्री सरोज सिंघल
मे. स्कीपर सेंथेटिक्स प्रा. लि.
१९, सियानगोग स्ट्रीट, ३ तल्ला
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९३३१७ ६५३१५

श्री लुन करण सुरेका
मे. कॉनकास्ट इस्पात लि.
८, वेंटीक स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९८३०५ ८५५५६

श्री अनिल कुमार पोद्दार
मे. एडगिफ्ट (इण्डिया) प्रा.लि.
१७०, सी.आर. एवेन्यू, २ तल्ला
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९८३१० ९३१९१

श्री महेश कुमार बजाज
३, प्रीटोरिया स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ०७१
मो. - ९८३०० ३३५६०

श्री ओम प्रकाश टिबरेवाल
मे. बंगलक्ष्मी होजियरी मिल्स (प्रा.) लि., १४-३, रूपचन्द राय स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९८३१० ८८२३२

श्री मुरारी लाल धानुका
मे. लालबाबा इंड. कॉ. प्रा. लि.
७८, लाल बाबू सिरे रोड, बेल्वे
हावड़ा-७११ २०२
मो. - ९८३०२ ७६८८४

श्री श्रीराम खेतान
मे. खेतान वेलाएक प्रा.लि.
१४५, एवियर, निर्मल गैलेक्सी
एल.बी.एस मार्ग, मुलुंद वेस्ट,
मुंबई - ४०००८०
मो. - ९८२०० ९२१४२

श्री रमेश कुमार नांगलिया
मे. एस.के. डेवलपमेंट प्रा.लि.
बी.ई.९०, सेक्टर-१, साल्ट लेक
कोलकाता - ७०० ०६४
मो. - ९८३०२ ४१०००

श्री कैलाश चन्द्र अगरवाल
मे. युनिक फॉर्म्स प्रा.लि.
३४, इजरा स्ट्रीट, २ तल्ला
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९३३११ ४७३९४

श्री हरिमोहन बांगुर
मे. श्री सिमेंट लि.
२१, स्ट्राण्ड रोड,
कोलकाता - ७०० ००१
फोन - ०३३ २२३० ९६०१/०४

श्री किशन गोपाल मोहता
६, लायंस रेंज,
२ तल्ला, रूम नं. २ए
कोलकाता - ७०० ००९
मो. - ९८३०० २४७९६

श्री कमल कुमार दूगड़
मे. वी.एम.डी, सिक्यूरिटी लि.
२०१, वैण्णो चैम्बर्स, ६, वर्मन रोड
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९८३०० ३०५२२

श्री शंकर लाल अग्रवाल
मे. सत्यनारायण शम्भु लाल
३२, एन.एस. रोड, ग्राउण्ड फ्लोर
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९८३१८ ५१०००

श्री राम प्रसाद सराफ
मे. अतिन्द्र कंसट्रक्शन प्रा.लि.
१४७ए, दक्षिणी हाउसिंग सोसाइटी
कोलकाता - ७०० १०५
मो. - ९९०३९ ९५६०१

श्री मुरारी लाल लोहिया
मे. जुपिटर वैगन्स लि.
४/२, मिडलटन स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ०७१
मो. - ९९०३४ ०२००१

श्री मेघराज आचार्य
मे. सुमंगल
२६५, रवीन्द्र सरणी, ब्लॉक-एफ
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९९०३८ ७४७९३

श्री मनोज कुमार मुंधड़ा
मे. सुमंगल
३१/१/२, रामकृष्ण समाधि रोड
कोलकाता - ७०० ०५४
मो. - ९८३०५ १२४५३

श्री दीपक धनानी
मे. सुमंगल
२६५, रवीन्द्र सरणी, ब्लॉक-एफ
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९८३०१ ६४३२०

श्री नवरतन गोयनका
मे. डायमन्ड बेवरेजेज प्रा.लि.
पी-४१, तारातल्ला रोड,
कोलकाता - ७०० ०८८
मो. - ९८३०१ १०१००

श्री अशोक कुमार तुलस्यान
मे. ए.के. तुलस्यान एण्ड एसोसिएट्स
पी-८, चौरंगी स्क्वायर
कोलकाता - ७०० ०६९
मो. - ९८३१० २४१५३

श्री अरुण पोद्दार
मे. पोद्दार प्रोजेक्ट्स लि.
पोद्दार कोर्ट, गेट-१, ९ तल्ला
१८, रवीन्द्र सरणी, कोलकाता - १
मो. - ९८३१० ०३२४४

श्री विजय अग्रवाल
मे. श्याम लेमीनेटर्स प्रा.लि.
डाउन-टाउन-३/००४, यूनीवर्ल्ड सिटी, न्यू टाउन, कोलकाता - १५६
मो. - ९८१०१ २८१२२

श्री विमल कुमार लाहोटी
मे. लाहोटी इण्डिया लि.
४१ए, ए.जे.सी. बोस रोड, ६ तल्ला
कोलकाता - ७०० ०१७
मो. - ९६८११ १२३४५

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री वैजनाथ चौधरी
मे. अनमोल बिस्कुट लि.
२२, ए.जे.सी. बोस रोड,
६ तल्ला, कोलकाता-२०
मो. - ९८३०० ४६३११

श्री नन्द किशोर पंसारी
मे. दी रेमण्ड
१८, रवीन्द्र सरणी
कोलकाता - ७०० ००१
मो. - ९८३०३ ७६०००

श्री वरुण वियानी
मे. श्री श्याम एयर सर्विस
१८, मल्लिक स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००७
मो. - ९८३०१ ४४५१८

श्री जयदीप चितलांगिया
मे. चितलांगिया चेरीटेबल ट्रस्ट
११३, पार्क स्ट्रीट, नॉर्थ ब्लॉक
४ तल्ला, कोलकाता - १६
मो. - ९८३०० ३०१५९

संरक्षक सदस्य

श्री पुनित कुमार पोद्दार
मे. प्रेम सन्स मोटर उद्योग प्रा. लि.
५०२, कांके रोड
राँची - ८३४००८, झारखंड
मो. : ९४३१११५४९९

श्री पंकज कुमार पोद्दार
मे. बाबूलाल प्रेम कुमार
अपर बाजार
राँची - ८३४००१, झारखंड
मो.: ९४३११०५८९९

श्री शिव कुमार डालमिया
मे. डालमिया सिंथेटिक्स
१२, के. पी. रोड
गया - ८२३००१, बिहार
मो. - ९४३१२२४५६३

श्री विश्वम्भर लाल झुनझुनवाला
राजस्थान टावर
न्यू डाक बंगला रोड
पटना - ८००००१
मो. - ९३०८०८३३६४

श्री जोगेन्द्र अग्रवाल
३८/६, ईस्ट पंजाबी बाग
नई दिल्ली - ११००२६
मो. - ९८१०००२७९८

श्री संजीव कानोड़िया
१०८, कल्याणी कॉम्पलेक्स
एक्जीबिशन रोड
पटना - ८००००१, बिहार
मो. - ९४३१६०२१०६

श्री उत्तम कुमार अग्रवाल
(परसरामपुरिया)
मे. यू.के. कन्स्ट्रक्सन, ७४, बांगड़
एवेन्यू, ब्लाक-ए, कोलकाता - ५५
मो. - ९८३००५८२७९

श्री बलभद्र लाल झुनझुनवाला
७एफ, राजा संतोष रोड
अलीपुर
कोलकाता - ७०००२७
मो.- ९३३१००३७९५

श्री दीपक कुमार अग्रवाल
३३०, चन्द्र नाथ चटर्जी स्ट्रीट
प्रथम तल
कोलकाता - ७०००२५
मो.- ९८३१२१२७७७

श्री नवनीत सोड्डानी
मे. नवकिरण प्रोजेक्ट्स प्रा.लि.
पोद्दार कोर्ट, १८, रवीन्द्र सरणी
गेट नं-३, पाँचवाँ तल
कोलकाता - ७००००१
मो.- ९८३११८५७९४

श्री रवि शंकर सीकरिया
मे. एक्रियेशन सिक्युरीटिज प्रा. लि.
११२, चित्तरंजन एवेन्यू
तीसरा तल, कोलकाता - ७३
मो.- ९८३००३८८०२

श्री सुरेश कुमार सरावगी
मे. सुरेश स्टील्स
२३ए, नेताजी सुभाष रोड
प्रथम तल, रूम नं. २१
कोलकाता - ७००००७
मो. - ९८३१२०७९१९

श्री प्रवीण कुमार जैन
मे. किवी प्रोपर्टीज प्रा. लि.
२४, एन. एस. रोड, द्वितीय तल
रूम नं. १७बी, कोलकाता - १
मो. - ९८३०८६८८९८

श्री जय कुमार पाण्डया
द्वारा - जय पाण्डया एसोसियेट्स
३६, स्ट्रैंड रोड, तीसरा तल
रूम नं - २५, कोलकाता - १
मो. - ९८३००३००३९

श्री जय नारायण गुप्ता
१२, वाटर लू स्ट्रीट
कोलकाता - ७०००६९
मो. - ९३३१०२२९२०

श्री विष्णु बजाज
मे. श्री राम आयरन एण्ड स्टील ट्रेडिंग कं.
५६ई, हेमन्त बसु सरणी
६८वाँ तल, रूम नं. १०४
स्टीफन हाउस, कोलकाता - १
मो. - ९८३०४५४९१९

श्री राजेश कुमार गुप्ता
मे. रायल प्रिमियम डेवलपर्स प्रा.लि.
उषा कॉम्पलेक्स, कंकड़ बाग रोड
पटना - ८०००२०, बिहार
मो. - ९४३१०१८५२४

श्री विपुल कुमार टेकड़ीवाल
मे. सर्वश्री प्लाइवूड होम
एक्जीबिशन रोड
पटना - ८००००१, बिहार
मो. - ९३३४१११६६२

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री प्रवीण कुमार जैन माल पहाड़ी रोड पाकुड़, झारखण्ड	श्री विनोद कुमार टिबड़ेवाल माल पहाड़ी रोड पाकुड़, झारखण्ड	श्री रामानंद टिबड़ेवाल मेन रोड, हरिणडांगा बाजार पाकुड़, झारखण्ड	श्री निर्मल कुमार जैन वृन्दावन मार्केट, हरिणडांगा बाजार पाकुड़, झारखण्ड	श्री राहुल मोदी गांधी चौक, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री विशाल कुमार पोद्दार शान्तिपुर, डोराण्डा राँची, झारखण्ड	श्री ज्ञान प्रकाश सरावगी लाईन टैंक रोड, शारदा बाबू स्ट्रीट, राँची, झारखण्ड	श्री आलोक कुमार सरावगी पंचवटी प्लाजा, कचहरी रोड राँची, झारखण्ड	श्री पंकज कुमार सरावगी पंचवटी प्लाजा, कचहरी रोड राँची, झारखण्ड	श्री अमित सरावगी शारदा बाबू स्ट्रीट, राँची, झारखण्ड
श्री रवि कुमार सरावगी पंचवटी प्लाजा, कचहरी रोड राँची, झारखण्ड	श्री विकास मोदी गाँधी चौक, अपर बाजार राँची, झारखण्ड	श्रीमती नीति मोदी पोद्दार "उमा शान्ति अपार्टमेन्ट" कांके रोड, राँची, झारखण्ड	श्री किशन अग्रवाल सुशीला मार्केट, महावीर चौक राँची, झारखण्ड	श्री सुनील कुमार सरावगी श्री सुरेश बाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री मदन लाल लाखोटिया नॉर्थ मार्केट बाई लेन, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	श्री दीन दयाल लाखोटिया नॉर्थ मार्केट बाई लेन, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	श्री पवन कुमार सरावगी सुरेश बाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	श्री दिनेश कुमार बगड़िया ए४४-ए.एम.वाई., पंडारा राँची, झारखण्ड	श्री राजेश कंदोई सुशीला मार्केट, महावीर चौक राँची, झारखण्ड
श्रीमती अंजना पोद्दार मे. प्रेमसन्स मोटर उद्योग प्रा. लि. कांके रोड, राँची, झारखण्ड	श्रीमती रमा पोद्दार मे. बाबूलाल प्रेम कुमार अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	श्री राकेश मुरारका मे. मुरारका टेक्सटाईल्स अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	श्रीमती सुनीता मुरारका मे. मुरारका टेक्सटाईल्स अपर बाजार, राँची, झारखण्ड	श्री पुष्पेन्द्र कुमार गोयल २३/४, एफ.एफ., चड्ढा भवन, शक्ति नगर, दिल्ली
श्री चिनार अग्रवाल २३/४, एफ.एफ., चड्ढा भवन, शक्ति नगर, दिल्ली	श्री तुषार गोयल २३/४, एफ.एफ., चड्ढा भवन, शक्ति नगर, दिल्ली	श्री नितेष मोदी भगवती लक्ष्मी मार्केट पटना सिटी, बिहार	श्री अरुण कुमार टिबड़ेवाल मे. गौरव मेडिको, बखरी बाजार, बेगुसराय, बिहार	श्री राजेश कुमार टिबड़ेवाल बखरी बाजार, बेगुसराय, बिहार
श्री सुनील कुमार मे. कुंज बिहारी टेक्सटाईल बखरी बाजार,बेगुसराय, बिहार	श्री मनोरंजन प्रसाद गुप्ता गजोधर चौधरी लेन सरायगंज, मुजफ्फरपुर, बिहार	श्री रोशन कुमार बंका मे. पवन ट्रेडर्स, सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	श्री अनुप कुमार कंकरानीयाँ मे. कंकरानीयाँ ब्रदर्स सुतापट्टी, मुजफ़्फ़रपुर, बिहार	श्री सुरेश कुमार हिंसारिया एक्सचेंज रोड, नवगछिया भागलपुर, बिहार
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल गया, बिहार	श्री श्याम लाल धानुका केशरी मार्केट, पुरानी गोदाम मुरारपुर रोड, गया, बिहार	श्री गिरधारी केजरीवाल मे. रुद्रालय, सोनापट्टी, सुजागंज, भागलपुर, बिहार	श्री संजय कुमार अग्रवाल ५४, मुरारपुर रोड, पुरानी गोदाम, गया, बिहार	श्री परमेश्वर प्रसाद केडिया १०, मिर सफायत रोड गया, बिहार
श्री पवन कुमार मोर मे. फेमस क्लॉथ स्टोर के.पी. रोड, गया, बिहार	श्री सतीश कुमार मोर मे. मंगलम फर्नीसिंग लकेरिया टोला, गया, बिहार	श्री अशोक कुमार अग्रवाल राय काशी, गया मोड़ गया, बिहार	श्री विनोद कुमार सुल्तानियाँ ८३ए, के.पी. रोड, पुरानी गोदाम, गया, बिहार	श्री सुशील कुमार मोदी रोड नं. ८ए, राजेन्द्र नगर पटना - ८०००१६, बिहार
श्री अनुरागी झुनझुनवाला मे. होटल विजय श्री डिलक्स एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	श्रीमती संतोषी झुनझुनवाला मे. होटल विजय श्री डिलक्स एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	श्रीमती उमा संघाई ४०४, सूर्या बिहार अपार्टमेन्ट एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार	श्री श्रवण कुमार बाजोरीया तिनकठिया गली भागलपुर, बिहार	श्री पवन कुमार अग्रवाल पुरानी गुरहट्टी, साहेबगंज छपरा, बिहार
श्री हरि किशन चाँदगोठीया द्वारा - न्यू विशाल किरानाज मौना चौक, छपरा, बिहार	श्री कृष्णा कुमार सिकन्दर मंजिल, फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	श्री अरुण कुमार चोखानी सुजागंज बाजार भागलपुर, बिहार	श्री विनोद कुमार अग्रवाल ग्रीन वर्ल्ड, एम.जी. रोड भागलपुर, बिहार	श्री नीरज कोटरीवाल मे. एन.के. इन्टरप्राईजेज एम.पी.डी. रोड, भागलपुर, बिहार
श्री अजय कुमार महिपाल मे. नोजा मारुति सेन्टर मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार	श्री विनय कुमार बजाज लक्ष्मी मार्केट, बेनी माधव लेन गोविन्द मित्रा रोड, पटना, बिहार	श्री गोपी चन्द्र तुलस्यान कमला पैलेस, गोविन्द मित्रा रोड, पटना, बिहार	श्री सुशील कुमार तुलस्यान मे. द्वारिका प्रसाद सुशील कुमार सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	श्री रौशन कुमार मे. द्वारिका प्रसाद सुशील कुमार सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री परमानंद शर्मा "दधीचि" न्यु एरिया, सिकन्दरपुर मुजफ्फरपुर, बिहार	श्री प्रमोद कुमार मोदी पंकज मार्केट रोड मुजफ्फरपुर, बिहार	श्री अवध पोद्दार गांधी चौक, अपर बाजार राँची, झारखण्ड	श्री गोविन्द कुमार खेमका अपर बाजार, पेपर मार्केट दिनबंधु लेन, राँची, झारखण्ड	श्रीमती सरोज केडिया नार्थ मार्केट रोड, अपर बाजार, राँची, झारखण्ड

Shaping

a greener tomorrow

Accountability to the future generation

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 5th July 2016
RNI Regd. No. 2868/68

RKFL RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

BUREAU VERITAS Certification

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is Eastern India's biggest and India's leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL has Open and Close Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling and Press Lines from 2000 to 12500 Ton. RKFL is a supplier to major OEM's, Tier 1 suppliers globally for Automotive, Defence, Mining, Earth Moving, Oil Exploration, Railways and General Engineering Industries.

Regd. & Corporate Office: "Ramkrishna Chambers", 72, Shakespeare Sarani, Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Overseas Office at: Detroit-USA, Turin-Italy, Toluca-Mexico, Porto Alegre-Brazil
Liaison Office: Mumbai, New Delhi, Chennai, Bangalore, Kapurtala, Ajmer, Gorakhpur, Bhubaneswar, Guwahati, Hubli, Mysore, Jabalpur
Plants at: Plant I, III, IV & V at Jamshedpur, India and Plant: II at Liluah, Howrah, India

Contact No: (+91) 33 3984 0900, Fax: (+91) 33 3984 0998; Email: info@ramkrishnaforgings.com

www.ramkrishnaforgings.com

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com